राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण | रांची और पटना से एक साथ प्रकाशित | 8

वर्ष 12 अंक :204 रांची (झारखंड) मंगलवार,06 मई 2025 पेज - 08 मूल्य: 2 RNI NO- JHAHIN/2013/54373

गहलोत मानसिक संतुलन खो बैठे हैं, अच्छे विचार होते तो कांग्रेस की देश में ऐसी दुर्गति नहीं होती : सीएम

‘कभी सभी राज्यों में सरकार थी, अब दो राज्यों में सिमट गई है।’

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर तीखा हमला बोला। गुजरात दौरे पर गए सीएम भजनलाल ने गहलोत के एक्स पर किए तंज का जवाब दिया, जिसमें गहलोत ने भाजपा सरकार पर तंज कसा था। भजनलाल शर्मा ने कहा, हम सरदार वल्लभभाई पटेल के स्मारक पर आए हैं। यहां से देश को मजबूत करने की प्रेरणा मिलती है। गहलोत मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। अगर उनमें अच्छे विचार होते तो कांग्रेस की देश में ऐसी दुर्गति नहीं होती। कभी सभी राज्यों में सरकार थी, अब दो राज्यों में सिमट गई है।

दरअसल, मुख्यमंत्री और भाजपा विधायकों के गुजरात में प्रशिक्षण शिविर में शामिल होने को लेकर अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर टिप्पणी की थी। उन्होंने लिखा कि जब भाजपा ने कांग्रेस सरकार गिराने की कोशिश की थी, तब हमें विधायकों को एकजुट रखने के लिए होटल में ठहराना पड़ा था ताकि भाजपा का प्रलोभन काम न करे। उन्होंने आरोप

लगाया कि भाजपा धनबल का इस्तेमाल करती है लेकिन उस समय सत्य की विजय हुई थी और कांग्रेस की सरकार चली थी। गहलोत ने भाजपा सरकार पर तंज कसते हुए लिखा कि यह पहली बार देखा जा रहा है कि सरकार बनने के डेढ़ साल बाद प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या भाजपा हाईकमान को लगता है कि राजस्थान की सरकार अब तक असफल रही है, इसीलिए उसे प्रशिक्षण की जरूरत है? साथ ही उन्होंने गर्मी, बिजली-पानी की किल्लत और बिगड़ती कानून व्यवस्था का हवाला देते हुए कहा कि जब जनता परेशान है, तब पूरी भाजपा सरकार गुजरात के एक आलीशान रिजॉर्ट में मौज-मस्ती कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता इस रवैए को भूलेगी नहीं।गहलोत के इस बयान का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दो टूक कहा कि अशोक गहलोत का मानसिक संतुलन बिगड़ चुका है और वह निराशा में तथ्यहीन आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार जनता के हित में काम कर रही है और प्रशिक्षण कार्यक्रम नेतृत्व क्षमता को और मजबूत करने के लिए आयोजित किया गया है। राजनीतिक हलकों में इस बयानबाजी को लेकर चर्चाएं तेज हैं और माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में दोनों दलों के बीच सियासी टकराव और बढ़ सकता है।

पूर्व कांग्रेस विधायक धर्म सिंह छौक्कर ईडी की गिरफ्त में, मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप

एजेंसी

चंडीगढ़ । कांग्रेस के पूर्व विधायक धर्म सिंह छौक्कर को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर आरोप में दिल्ली से गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी दीन दयाल आवास योजना से जुड़े वित्तीय घोटाले के सिलसिले में हुई है, जिसमें छौक्कर और उनकी कंपनी पर करीब 1500 करोड़ रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है। ईडी ने छौक्कर को दिल्ली के पांच सितारा होटल शांग्रीला से हिरासत में लिया गया। गिरफ्तारी के बाद ईडी उन्हें कोर्ट में पेश करने की तैयारी में है, जहां उनसे पूछताछ के लिए रिमांड की मांग की जा सकती है। इस कार्रवाई ने हरियाणा की राजनीति में भूचाल ला दिया है, क्योंकि छौक्कर को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का बेहद करीबी माना जाता है। आरोप के मुताबिक, छौक्कर की कंपनी साई आइना फॉर्म्स ने गुरुग्राम में लोगों को घर देने का वादा कर उनसे भारी-भरकम राशि वसूली। हालांकि, न तो लोगों को घर दिए गए और न ही उनकी राशि वापस की गई। ईडी की जांच में सामने आया कि कंपनी ने करीब 1500 लोगों के साथ धोखाधड़ी की, जिसमें बड़े पैमाने पर धन का दुरुपयोग और मनी लॉन्ड्रिंग शामिल है। यह घोटाला दीन दयाल आवास योजना के तहत गरीबों और मध्यम वर्ग के लिए घर उपलब्ध कराने की योजना से जुड़ा है, जिसका गलत इस्तेमाल कर लोगों की गाढ़ी कमाई को हड़पने का आरोप है। इस मामले में केवल धर्म सिंह छौक्कर ही नहीं, बल्कि उनके बेटे सिकंदर छौक्कर भी जांच के दायरे में हैं। सिकंदर पर 400 करोड़ रुपये के एक अन्य घोटाले में शामिल होने का भी आरोप है, जिसके लिए ईडी ने अलग से केस दर्ज किया है। पिता-पुत्र की जोड़ी पर सैकड़ों लोगों को ठगने और उनकी मेहनत की कमाई को गलत तरीके से इस्तेमाल करने का आरोप है।धर्म सिंह छौक्कर का राजनीतिक करियर भी काफी चर्चित रहा है। वे हरियाणा के समालखा विधानसभा क्षेत्र से दो बार विधायक रह चुके हैं और कांग्रेस के प्रमुख नेताओं में शुमार रहे हैं।

धर्म सिंह छौक्कर

केदारनाथ यात्रा बनी महिला सशक्तिकरण की मिसाल

देहरादून। केदारनाथ यात्रा से इस वर्ष भी रुद्रप्रयाग जनपद की सैकड़ों महिलाओं को रोजगार मिला है। करीब 150 महिला स्वयं सहायता समूह प्रसाद निर्माण, स्थानीय उत्पादों की बिक्री, जलपान गृह संचालन और होमस्टे जैसी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। इससे स्थानीय आर्थिकी को नया बल मिला है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि चारधाम यात्रा महिला समूहों के लिए आजीविका का मजबूत आधार बन रही है। सरकार महिला समूहों को स्टॉल, प्रशिक्षण और संसाधनों की हर संभव सहायता दे रही है। मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं से स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देने की अपील भी की। केदारनाथ प्रसाद की ऑनलाइन भी खरीद की जा सकती है। इसके साथ ही उद्योग विभाग के भटवाड़ीसैंण स्थित ग्रोथ सेंटर में केदारनाथ मंदिर की प्रतिकृति सोवेनियर के रूप में तैयार की जाती है, जिसे श्रद्धालु केदारनाथ मंदिर से स्मृतिचिह्न के रूप में अपने साथ ले जाते हैं।जिला उद्योग केंद्र रुद्रप्रयाग की ओर से संचालित इस ग्रोथ सेंटर का भी स्थानीय महिलाएं ही संचालन करती हैं। इस वर्ष अब तक पांच हजार प्रतिकृतियां तैयार की जा चुकी हैं और यह क्रम जारी है।

पुंछ के सुरनकोट में संदिग्ध आतंकी ठिकाने से गोला-बारूद का भंडार बरामद

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में स्थानीय पुलिस और सेना की रोमियो फोर्स ने सुरनकोट गांव में संयुक्त अभियान के दौरान एक संदिग्ध आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ किया। इस ठिकाने से गोला-बारूद और अन्य सामान बरामद किया गया है। पुंछ पुलिस ने संदिग्ध ठिकाने की तस्वीरें जारी कीं हैं। अधिकारियों के अनुसार, यहां से पांच इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी), कई रेडियो सेट, तार, दूरबीन और कंबल बरामद किए गए हैं। यह बड़ी कार्रवाई पुलिस महानिरीक्षक वीके बिरदी द्वारा पीसीआर कश्मीर में एक संयुक्त सुरक्षा समीक्षा बैठक आयोजित करने के ठीक एक दिन बाद हुई है। बैठक में पुलिस, सेना, खुफिया एजेंसियों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) सहित कई सुरक्षा बलों के अधिकारियों ने भाग लिया था। अधिकारियों ने आईजीपी कश्मीर को समग्र सुरक्षा परिदृश्य के बारे में जानकारी दी गई, जिसमें घाटी में मौजूदा सुरक्षा चुनौतियों के बारे में जानकारी हासिल करने पर प्राथमिक ध्यान केंद्रित किया गया।

कांग्रेस के नेता भारतीय सेना का गिरा रहे मनोबल, अपने किए पर करे गौर : सुधांशु त्रिवेदी

‘कांग्रेस और इंडी गठबंधन के नेता सेना को निशाना बनाकर बयानबाजी कर रहे हैं।’

एजेंसी

नई दिल्ली । पहलगाम आतंकी हमले के बाद एक तरफ जहां भारत-पाकिस्तान के बीच टकराव की स्थिति है तो दूसरी ओर देश में सियासत गर्म है। विपक्षी दलों के बयानों पर बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने बड़ा हमला बोला है। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद भारत-पाकिस्तान सीमा पर तनाव है। पाकिस्तान सीमा पर लगातार संघर्ष विराम का उल्लंघन कर रहा है, वहीं कांग्रेस और इंडी गठबंधन के नेता सेना को निशाना बनाकर बयानबाजी कर रहे हैं। एक तरफ कांग्रेस और भारत के नेता कहते हैं कि वे सरकार के साथ हैं, लेकिन दूसरी तरफ उनके नेता देश के खिलाफ बयान देते हैं और सशस्त्र बलों का मनोबल गिराते हैं। यह वैसा ही है जैसा पाकिस्तान करता है लेकिन अपनी भूमिका से इनकार करता है। पाकिस्तान इस मामले में भारत से कहीं ज्यादा मजबूत है कि वहां कोई भी विपक्षी नेता सेना का मनोबल गिराने वाला बयान नहीं दे रहा लेकिन भारत में ऐसे बयानों की झड़ी लगी हुई है। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, पाकिस्तान में अगर कोई सत्र या सर्वदलीय बैठक बुलाई जा रही है, तो वहां कोई भी राजनीतिक दल सेना या सरकार के खिलाफ नहीं बोल रहा है, न तो प्रत्यक्ष रूप से, न ही अप्रत्यक्ष रूप से, न ही खुलकर और न ही व्यंग्यात्मक रूप से। लेकिन यहां लगातार इस तरह के बयान दिए जा रहे हैं। इसलिए मैं साफ तौर पर कहता हूं कि देश की जनता को यह समझने की जरूरत है और कांग्रेस पार्टी को अपने किए पर गौर करने की जरूरत है। इन चंद नेताओं को पाकिस्तानी सेना के लिए चीयरलीडर की भूमिका निभाना बंद करना चाहिए। सुधांशु त्रिवेदी ने आगे कहा कि मैं कांग्रेस पार्टी को बताना चाहता हूं कि यह बिल्कुल सच है। जब राफेल आया तो हमारे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह फ्रांस गए और उस पर स्वास्तिक बनाया। शायद उन्हें पता नहीं है कि भारतीय सेना में धार्मिक शिक्षक नियुक्त हैं। जब सैनिक युद्ध में जाते हैं, तो उनकी धार्मिक भावनाओं का सम्मान किया जाता है और उनकी परंपराओं के अनुसार अनुष्ठान आयोजित किए जाते हैं। मैं कांग्रेस पार्टी से पूछना चाहता हूं कि वे यहां क्या मजाक कर रहे हैं? क्या वे सिर्फ इसलिए हिंदू धार्मिक भावनाओं का मजाक उड़ा रहे हैं क्योंकि राफेल पर स्वास्तिक बनाया गया था? वहीं पाकिस्तानी सेना कलमा पढ़ने की बात करती है और ये लोग हिंदू धार्मिक भावनाओं का मजाक उड़ा रहे हैं। उन्हें पता होना चाहिए कि भारतीय सेना में कई रेजिमेंट हैं और उनके युद्ध के नारे पूरी तरह से धार्मिक भावनाओं पर आधारित हैं।

उन्होंने आगे कहा कि बिलावल भुट्टो ने कहा था कि अगर पानी रोका गया तो खून की नदियां बहेंगी। मैंने यह पहले भी कहा है और मैं इसे दोहराना चाहता हूं, हमारी सरकार अब बहुत स्पष्ट है कि हमारी तरफ से खून और पानी एक साथ नहीं बहेंगे। अब आप तय करें कि आप खून बहाना चाहते हैं या पानी।

‘ये सिर्फ पब्लिसिटी के लिए...’, पहलगाम हमले को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पहलगाम आतंकी हमले को लेकर दायर की गई जनहित याचिका को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि इसमें कोई पब्लिक हित नहीं, बल्कि यह पब्लिसिटी के लिए दाखिल की गई है। दरअसल, याचिका में पहलगाम में आतंकी हमले का हवाला देते हुए दूरदराज और पहाड़ी इलाकों में जाने वाले पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्र और राज्यों को निर्देश दिए जाने की मांग की गई थी। इसमें यह भी कहा गया था कि आतंकी हमलों के लिहाज से ऐसे संवेदनशील इलाकों में पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात किए जाएं। इसके अलावा, याचिका में अमरनाथ यात्रियों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने के निर्देश जारी किए जाने की मांग की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को फटकार लगाते हुए कहा कि आपको मामले की गंभीरता का अंदाजा नहीं है। यह याचिका पब्लिसिटी के लिए दाखिल की गई है, इसमें पब्लिक का कोई इंटरेस्ट नहीं है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता से भी सवाल किया। उन्होंने कहा, इस तरह की याचिका आपने क्यों दाखिल की? आप चाहते हैं कि हम आपके खिलाफ कोई आदेश जारी करें। कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि आप पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने बीते 1 मई को पहलगाम आतंकी हमले को लेकर दाखिल की गई याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए याचिकाकर्ता को चेतावनी दी थी। अदालत ने कहा था कि इस तरह की याचिका दाखिल करने से बचना चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने यह भी कहा था कि देश के हर नागरिक के लिए यह कठिन समय है और मामले की गंभीरता को समझना चाहिए। साथ ही इस तरह की याचिका दाखिल करने से बचना चाहिए।

राहुल गांधी का ऑपरेशन ब्लू स्टार को गलती मानना बड़ी बात : संजय राउत

एजेंसी

मुंबई । शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के ऑपरेशन ब्लू स्टार पर दिए बयान की सराहना करते हुए केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। राउत ने कहा कि राहुल गांधी एक साफ-सुथरे और ईमानदार नेता हैं, जो अपनी गलतियों को स्वीकार करने की हिम्मत रखते हैं। उन्होंने कहा, राहुल गांधी ने ऑपरेशन ब्लू स्टार को गलती मानकर बड़ी बात की है, जबकि उस समय वह राजनीति में नहीं थे। गलती स्वीकार करना राजनीति में दुर्लभ है। प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री शाह को उनसे सीख लेनी चाहिए। ऑपरेशन ब्लू स्टार के बाद देश ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और सेना के जनरल को खोया, लेकिन राहुल ने उस दौर की गलती को स्वीकार कर साहस दिखाया। हम सौभाग्यशाली हैं कि हमारे देश में ऐसा नेता है। राजनीति

में गलती स्वीकार करना बहुत बड़ी बात होती है। पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को राहुल गांधी से गलती स्वीकार करना और आगे बढ़ना सीखना चाहिए। संजय राउत ने हाल के आतंकी हमलों को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बयान पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, ÷राजनाथ सिंह कहते हैं कि करारा जवाब दिया जाएगा, लेकिन हम इंतजार कर रहे हैं। देश चाहता है कि आतंकियों को जवाब मिले। जब वह दिन आएगा, हम सरकार के साथ खड़े होंगे। कश्मीर में हालिया आतंकवादी हमले और पुलवामा हमले में 40 जवानों की शहादत के लिए कौन जिम्मेदार हैं? अमित शाह को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देना चाहिए, जैसे 26/11 हमले के बाद शिवराज पाटिल ने इस्तीफा दिया था। जब कड़ी प्रतिक्रिया देने का समय आएगा तो हम निश्चित रूप से सरकार के साथ खड़े होंगे। राउत ने ऑल पार्टी मीटिंग में अपनी अनुपस्थिति का जिक्र करते हुए कहा, हम वहां इसलिए नहीं गए, क्योंकि हम अमित शाह का इस्तीफा मांगते। इससे सरकार की स्थिति असहज हो जाती।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के 9 साल बेमिसाल, 238 करोड़ से अधिक सिलेंडर हुए रिफिल: केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी

एजेंसी

नई दिल्ली । पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना बीते 9 वर्षों में नारी सशक्तीकरण की मिसाल बनी और 10 करोड़ से ज्यादा परिवारों को योजना का लाभ मिला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 1 मई 2016 को शुरू प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के 9 वर्ष पूरे हो चुके हैं। इस योजना की शुरुआत उत्तर प्रदेश के बलिया जिले से हुई थी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी) ने ग्रामीण और वंचित परिवारों को एलपीजी जैसे स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पीएमयूवाई शुरू की थी। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में

लिखा, उज्ज्वला योजना के 9 साल, 10.33 करोड़ से ज्यादा परिवार खुशहाल! केंद्रीय मंत्री पुरी ने आगे लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना नारी सशक्तीकरण की मिसाल बनी है और गृहणियों के लिए स्वास्थ्य का वरदान बनी है! केंद्रीय मंत्री पुरी ने जानकारी देते हुए बताया कि पीएमयूवाई के इन 9 वर्षों में 238 करोड़ से अधिक सिलेंडर रिफिल हुए, जो इस योजना की सफलता को दर्शाता है। इसके अलावा, उन्होंने बताया कि योजना के तहत अब तक 11,670 नए एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर के जुड़ने से सिलेंडर की डिलीवरी सुदूर और दुर्गम क्षेत्रों में भी संभव हुई। पारंपरिक खाना पकाने के ईंधन के इस्तेमाल से ग्रामीण महिलाओं के स्वास्थ्य पर इसका हानिकारक प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा, पारंपरिक खाना पकाने के ईंधन का पर्यावरण पर भी प्रभाव पड़ता है। यह योजना उन ग्रामीण और वंचित परिवारों के लिए एक वरदान बनी है, जो खाना पकाने के लिए ईंधन के रूप में जलावन, लकड़ी, कोयला, गोबर के उपलों का इस्तेमाल करते थे। पीएमयूवाई का उद्देश्य गरीब परिवारों की वयस्क महिलाओं को बिना डिपॉजिट के एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध करवाना है। इस योजना के साथ केंद्र सरकार स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा दे रही है।

मप्र के उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर परिसर में लगी आग से हड़कंप, आग पर पाया गया काबू

एजेंसी

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर परिसर में सोमवार को आग लगने से हड़कंप मच गया। बताया गया है कि मंदिर परिसर स्थित फैसिलिटी सेंटर के ऊपर रखे जनरेटर में आग लग गयी, जिससे यह हादसा हुआ। लेकिन श्रद्धालुओं को कोई नुकसान नहीं पहुंचने की बात कही जा रही है। सूचना मिलने पर समय पर फायर बिग्रेड की गाड़ियां मौके पर पहुंच गयी हैं। आग बुझाने पर लगी हुई हैं। इस संबंध में मंदिर के सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने बताया कि महाकालेश्वर मंदिर परिसर में शंख द्वार के ऊपर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की

बैटरियां रखी हैं जिसमें गर्मी के चलते आग गई थी। आग पर काबू पा लिया है। किसी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ है।

‘राफेल’ पर अजय राय का बयान, शर्मनाक और पूरी तरह अनुचित: तरुण चुघ

एजेंसी

नई दिल्ली । भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश मजबूती के साथ खड़ा है। उन्होंने दावा किया कि आतंक और आतंकवादियों को पनाह देने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। वहीं, कांग्रेस नेता अजय राय की राफेल को लेकर की गई टिप्पणी को शर्मनाक करार दिया है। सोमवार को न्यूज एजेंसी से बातचीत के दौरान तरुण चुघ ने यूपी कांग्रेस चीफ अजय राय के ‘राफेल’ पर दिए बयान पर कहा कि कांग्रेस पार्टी दुर्भाग्य से भारत के बहादुर सुरक्षा बलों का मनोबल गिराने के लिए एक सुनियोजित षड्यंत्र चला रही है। जिन हथियारों की हमारे सैनिक पूजा करते हैं और हमारे देश की रक्षा के लिए उपयोग करते हैं, उन्हीं हथियारों का कांग्रेस पार्टी मजाक उड़ा रही है और पाकिस्तान की सहायता करने का अपराध कर रही है। उनके कृत्य निंदनीय, शर्मनाक, अश्लील, मूर्खतापूर्ण और पूरी तरह अनुचित हैं और वे राष्ट्र

विरोधी हैं। दरअसल, पहलगाम आतंकी हमले को लेकर उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा कि राफेल पर नींबू-मिर्च मैंने नहीं बांधा है। सभी को ध्यान होगा कि जब राफेल भारत आया था, उस समय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उस पर नींबू-मिर्च बांधा था। राफेल पर नींबू-मिर्च सरकार ने बांधा है, मैं बस याद दिला रहा हूं कि राफेल से नींबू-मिर्च कब हटेंगे और राफेल अपना काम कब करेगा। देश की जनता यह जानना चाहती है। पहलगाम हमले में जो लोग मारे गए, उनका परिवार आज जानना चाहता है कि राफेल नींबू-मिर्च के लिए आया है या फिर अपना काम करने के लिए। दूसरी ओर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने सुप्रीम कोर्ट में वक्फ कानून की सुनवाई पर कहा कि वक्फ अधिनियम वर्षों से भूमि जिहाद के लिए कानूनी ढाल बन गया था। मोदी सरकार ने अब न्याय की दिशा में पहला निर्णायक कदम उठाया है। अब से वक्फ का पैसा गरीबों, असहायों, विधवाओं, बहनों, अनाथों और वंचित बच्चों के कल्याण के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। पिछड़े, बेसहारा मुस्लिम वक्फ की कमेटियों में जाएंगे। वक्फ भू-माफियों ने करोड़ों रुपये की संपत्तियों पर कब्जा किया था। इसे कांग्रेस का समर्थन मिला। अब कानून हिसाब करेगा। भारत अब तुष्टिकरण की राजनीति से नहीं बल्कि संविधान से चलेगा।

संक्षिप्त समाचार

दो बाइक के बीच टक्कर मे एक बाइक सवार की मौत

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - नारो जंगल के निकट सोमवार को दो बाइक के बीच टक्कर में एक बाइक सवार की मौत हो गयी. जबकि महिला व एक अन्य युवक घायल हो गये, मृतक की पहचान बेड़ो के केसा गांव निवासी सोमरा उरांव 50 वर्ष के रूप में की गयी है वहीं मृतक की पत्नी पंची उराइन 45 वर्ष व नारो गांव का सचिन टोप्पो 22 वर्ष घायल हुए हैं जिन्हें मांडर रेफरल अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद रिम्स रेफर किया गया है. घटना अपराहन करीब दो बजे की है. बताया जा रहा है कि सोमरा उरांव अपनी पत्नी पंची उराइन के साथ मांडर के गोरे गांव स्थित ससुराल आया था और वहीं से बाइक में अपने घर वापस जा रहा था. इसी क्रम में टांगरबसली की ओर से अकेले ही आ रहे सचिन टोप्पो से की बाइक से उनके बाइक की टक्कर हो गयी. टक्कर इतनी जबरदस्त थी की मौके पर ही सोमरा उरांव की मौत हो गयी. और पंची उराइन व सचिन टोप्पो गंभीर रूप से घायल हो गये!

स्वास्थ्य ही धन है:डॉक्टर करुणा शहदेव

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - एक्सीलेंट पब्लिक स्कूल, नयाटोली,सिमलिया मे स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ।कार्यक्रम को मुख्यअतिथि रांची की प्रसिद्ध महिला रोग विशेषज्ञ डॉक्टर करुणा शहदेव(बाबा हॉस्पिटल रांची)ने संबोधित किया अपने संबोधन मे डॉक्टर करुणा शहदेव ने कहा स्वास्थ्य ही धन है।अगर आप स्वस्थ हैं तो जीवन मे हर काम आपके लिए आसान हो जाता है साथ ही गर्मी के मौसम मे होने वाले बीमारियों से बचने की जानकारी भी दिए।डॉ.मनोज कच्छप,मृदुला कुमारी,विजय कुमार,रामदेव मिश्रा ने योग के महत्व एवं योग क्रिया की जानकारी देते हुए कहा योगाभ्यास प्रतिदिन करनी चाहिए। मौके पर विशिष्ठ अतिथि के तौर पर छात्र क्लब चिकित्सक मंच (यूनिट,छात्र क्लब ग्रुप)के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा एवं विद्यालय के निदेशक कार्तिक विश्वकर्मा मौजूद थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्यरूप से प्रिंसिपल शोभा देवी,समन्वयक दयानंद विश्वकर्मा सहित विद्यालय के सभी कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कई पौधे हुए नष्ट, विभाग बेखबर

दिव्य दिनकर:संवाददाता

चतरा:गिद्धौर अंतर्गत एक तरफ वन विभाग द्वारा सड़क के किनारे पौधारोपण करने की तैयारी कर रही है। जबकि लाखों रुपए खर्च कर प्रखंड के विभिन्न सड़क के किनारे पौधारोपण किया गया है। परंतु कई स्थानों पर किया गया पौधारोपण एवं पौधों की सुरक्षा के लिए बनाया गया बांस का गेबियन क्षतिग्रस्त हो गया है। वैसे में कई छोटे-छोटे पौधे नष्ट हो रहे हैं। जबकि पशुओं का चारा बन रहा है। बताया जाता है कि तेज आंधी पानी के कारण बनाया गया गेबियन क्षतिग्रस्त हुई है। परंतु इसकी मरम्मती को लेकर वन विभाग द्वारा अब तक कोई पहल नहीं किया गया है। सबसे ज्यादा नुकसान गिद्धौर ब्रह्मपुर सड़क एवं चतरा हजारीबाग भाया कटकमसांडी गिद्धौर सड़क के किनारे लगा पौधा व गेबियन का हुआ है।

जिले के विभिन्न प्रखंड में आयोजित आयुष जांच शिविर में 137 लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ प्रखंड के ईशाकपुर, हाटपोखर एवं महेशपुर प्रखंड के लौंगांव में आयुष विभाग की ओर से सोमवार को आयुष कैंप लगाकर कुल 137 लोगों का स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवा दिया गया। डॉ० सौरव विश्वास, डॉ मो अबुतालिब शेख, डॉ राजेश यादव ने बताया की इस कैंप में आज रक्तचाप, मधुमेह, जॉइंट पेन, गठिया, बच्चों से संबंधित आदि रोगों का जांच निःशुल्क किया गया। साथ ही सभी को मुफ्त दवा भी दी गई। वहीं शिविर में आने वाले मरीजों को शुगर, ब्लड प्रेशर का भी जांच की गई। हेल्थ कैंप के साथ साथ पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत लोगों को पौष्टिक भोजन /संतुलित आहार /व्यायाम/ के बारे में भी बताया गया

डीसी ने सांसद निधि, विधायक निधि योजना की प्रगति के कार्यों की समीक्षा की

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में सांसद निधि योजना एवं विधायक निधि योजना में लंबित कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा लंबित डी.सी विपत्र पर चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि उक्त सभी फंड विकास कार्यों के क्रियान्वयन से जुड़ी हैं जिसमें कार्यों के गुणवत्ता का विशेष ख्याल रखें तथा जो कार्य अपूर्ण है उनमें कार्य कराते हुए ससमय कार्य पूर्ण करायें। विधायक निधि एवं सांसद निधि अंतर्गत पूर्ण हुए कार्यों की डीसी बिल की यूटिलाइजेशन सार्टिफिकेट जल्द से जल्द जमा करने का निर्देश दिया गया। बैठक में परियोजना निदेशक, आईटीडीए, जिला पंचायत राज पदाधिकारी एवं जिला आपूर्ति पदाधिकारी व अन्य उपस्थित थे।

पाकिस्तानी नागरिकों को तत्काल भारत छोड़ने हेतु कार्रवाई करने के संबंध भाजपा ने उपायुक्त को सौपा पत्र

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री व भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी जी के निदेर्शानुसार वैध एवं अवैध रूप से निवास कर रहे हैं पाकिस्तानी नागरिकों को तत्काल भारत छोड़ने हेतु कार्रवाई करने के संबंध में भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष अमृत पाण्डेय के नेतृत्व में कार्यकत्ताओं ने पाकुड़ उपायुक्त मनीष कुमार को ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष अमृत पाण्डेय ने कहा कि उपायुक्त महोदय को सौंपे ज्ञापन में यह उल्लेख किया गया है कि दिनांक 22 अप्रैल 2025 को जम्मू कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में घटित आतंकवादी हमले में 26 निर्दोष नगारिकों की निर्मम हत्या ने संपूर्ण राष्ट्रपति शब्द कर दिया है। इस दुखद घटना के पश्चात केंद्र सरकार ने एक अत्यंत महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द करने तथा उन्हें देश से डिपोर्ट (निर्वासित) करने की प्रक्रिया आरंभ की है। गृह मंत्रालय भारत सरकार से प्राप्त आदेश संख्या 25022/ 28/ 2025 - एफ आई, दिनांक 25.4.2025 के आलोक में विदेशी अधिनियम 1946 की धारा 3(1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए पाकिस्तानी नागरिकों की वीजा सेवाओं को निलंबित

करने का निर्णय लिया गया है। जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में जो भी पाकिस्तानी नागरिक बिना वैध दस्तावेजों के या वीजा की अवधि समाप्त हो जाने के बावजूद भारत में निवास कर रहे हैं उनकी शीघ्र पहचान करें। यह देश की सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय है। ऐसे पाकिस्तानी नागरिकों को सूचीबद्ध कर तत्काल आवश्यक कानूनी कार्रवाई करें। यह विषय अत्यंत संवेदनशील है और अपेक्षित है कि स्थानीय प्रशासन राष्ट्रीय दिशा निदेर्शों के अनुरूप शीघ्र एवं ठोस कार्रवाई करेगा, जिससे आम जनता का विश्वास सुदृढ़ हो और संभावित सुरक्षा चिताओं का समय रहते निवारण किया जा सके। आपसे अनुरोध है कि इस ज्ञापन पर शीघ्र संज्ञान लेते हुए उचित कार्रवाई सुनिश्चित करें। इस कार्यक्रम में जिला महामंत्री रूपेश भगत एवं सरिता मुर्मू, अजा मोर्चा प्रदेश मंत्री कामेश्वर दास, पूर्व जिलाध्यक्ष विवेकानंद तिवारी,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनुग्रहित प्रसाद साह, सोशल मीडिया संथाल परगना प्रभारी जयंत मंडल, महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष सम्पा साहा, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष शबरी पाल, वरिष्ठ नेता विश्वनाथ भगत,पूर्व प्रदेश मंत्री श्रीमती शर्मिला रजक, दादपुर मंडल अध्यक्ष सुशांत घोष,सपन दुबे, पवन भगत, सादेकुल आलम, सुशील साह सहित कई कार्यकर्ता शामिल हुए।

संस्थापक जीके पंकज के जन्मदिन पर हुआ पौधा रोपण

बच्चों ने संस्थापक के चित्रपट पर फूल अर्पित कर दिया श्रद्धांजलि

संत थॉमस स्कूल में स्थापना दिवस पर कार्यक्रम की हुई आयोजन

दिव्य दिनकर:संवाददाता

टंडवा:चतरा। संत थॉमस स्कूल टंडवा में सोमवार को विद्यालय के संस्थापक जीके पंकज के जन्मदिन के शुभ अवसर पर स्थापना दिवस समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया।सर्वप्रथम संत थॉमस स्कूल के निदेशक मैडम सुजाता कच्छप और अनीता कच्छप के द्वारा विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया।इसके बाद विद्यालय के संस्थापक जी के पंकज चित्रपट पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के नर्सरी के बच्चों से लेकर दसवीं के छात्र-छात्राओं, सभी शिक्षक शिक्षकों के द्वारा चित्रपट पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया गया। इस कार्यक्रम में उपस्थित विद्यालय के शिक्षकों के द्वारा उनके जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके

मार्गदर्शन पर चलने का संकल्प लिया। साथ हैं उनके जीवन के संघर्षों का भी व्याख्या किया गया। कार्यक्रम के दौरान मैडम सुजाता कच्छप अनीता कच्छप समेत कई छात्र-छात्राओं के आंख आंसू से भर गया है। इधर स्थापना दिवस की शुभ अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपने संबोधन में विद्यालय को शिखर तक ले जाने का संकल्प लिया। विद्यालय के संस्थापक जी के पंकज ने टंडवा में शिक्षा के अलख जगाने का काम किया था। टंडवा में शिक्षा का क्षेत्र में इतिहास रच कर यहां के छात्र-छात्राओं को अच्छे-अच्छे जगह पर सफल करने में कामयाब हासिल किया। आगे बताया गया कि इस विद्यालय में लगभग 30 शिक्षक हैं जिसे पठन-पाठन में किसी तरह का कोई समस्या का सामना न करना पड़े। अंतिम में विद्यालय के बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम काव्य आयोजन किया गया।जिसमें मौजूद अभिभावकों एवं शिक्षकों को मन मोहा।

पेट्रोल पंप पर अवैध रूप से बस ठहराव व परिचालन को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी ने किया कारवाई

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी विशाल सागर के निदेर्शानुसार अनुमंडल पदाधिकारी सह अनुमंडल दण्डाधिकारी रवि कुमार ने भारत पेट्रोल पम्प (सारवां रोड करनीबाग) परिसर में प्रतिदिन दस से पन्द्रह बसों के ठहराव एवं वहीं से नियमित रूप से बसों का परिचालन कर परिसर को अस्थायी बस पड़ाव के रूप में उपयोग में लाये जाने से जुड़े मामले को संज्ञान में लेते हुए ब-जरिये नोटिस किया गया है। इसके अलावा अखबारों में छपी खबर और अन्य स्त्रोतों से पाया गया है कि पेट्रोलपंप से लगातार बसों का संचालन किया जा रहा है, जबकि पेट्रोलपंप से सटे निर्मित रेसिडेन्सी कैम्पस जिसमें हजारों की संख्या में एक जगह आमजन का स्थायी आवासन है। ऐसी स्थिति में आपके द्वारा पेट्रोल, डीजल जैसे ज्वलनशील पदार्थों के भंडारण एवं विक्रय की अनुज्ञपिश या पम्प के

अधिस्थापन के सुसंगत अधिनियम /नियमावली में निहित प्रावधानों यथा ए७स्त्र’ड्ड१५ी२ अू३ का उल्लंघन कर आमजन के जानमाल की सुरक्षा (Public Safety) से खिलवाड़ किया जा रहा है, जो नियम विरूद्ध हैं। ऐसे में नोटिस प्राप्ति के 48 घंटे के अन्दर स्पष्टीकरण समर्पित करें कि क्यों नहीं आपके पेट्रोल पम्प का अनुज्ञप्ति रद्द करने की अनुशंसा करते हुए कार्रवाई की जाय। ज्ञात हो कि देवघर में बसों का शहरी क्षेत्र से बाहर आधुनिक सुविधओं से युक्त नवनिर्मित आई0एस0बी0टी0 पड़ाव स्थल जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित किया गया है एवं वही से सभी बसों का संचालन किया जा रहा है। इसके अलावा अस्थायी बस पड़ाव संचालन करने वाले या नियमों का उल्लंघन करने वाले के विरुद्ध

एसडीओ कोर्ट में डिग्री होने के बाद भी दबंगों के द्वारा किया गया जमीन पर कब्जा

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ बस स्टैंड के पास सड़क किनारे एक विवादित जमीन पर सोमवार को दबंगों के द्वारा घेराबंदी किया गया, जिसको लेकर सोमवार को लाचार बेबस होकर पचपन वर्षीय बबलु बास्की, पिता स्व0 कान्हु बास्की निवास ग्राम- धनुषपूजा थाना- पाकुड़ (नगर), जिला- पाकुड़ एक आवेदन लेकर नगर थाना पहुंचा। थाना पहुंचने के बाद कई पुलिस कर्मी उस व्यक्ति को तुरंत पहचान लिया और कहने लगा कि आपका तो कोर्ट से डिग्री हो गया है, अब क्या दिक्कत हो गया। बबलू बास्की ने अपना दुखड़ा सुनाया, मौजूद मुंशी भी आवेदन को पढ़ कर चीजों को समझने का प्रयास किया, मौजूद थाना में अन्य पुलिस कर्मी भी बोलने लगा कि पहले भी कई थाना प्रभारी के समक्ष इनके मामले का समाधान किया जा चुका है, इनका कोर्ट में डिग्री भी हो चुका है। दअरसल मामला एक जमीन का

है जो मौजा धनुषपूजा नं0- 79 जमाबंदी नं0- 23 दाग नं0- 509 में 03-19-05 जमीन भुजु बास्की के नाम से पर्चा में दर्ज है। उक्त जीमन को आज तक किसी के पास बिक्री नही किया गया है और यह जमीन भुजु बास्की के पोता बबलू बास्की उत्तराधिकारी है। वही बबलू बास्की ने मीडिया को बताया कि उक्त जमीन का वो उतराधिकारी है लेकिन सदर प्रखंड के चटाई मोड़ का रहने वाली परमिला हेंब्रम दावा करने लगी कि यह जमीन हमारी है, जिसपर मामला एसडीओ कोर्ट में चल रहा था जिसमें बबलू बास्की का डिग्री पांच छह वर्ष पहले हो गया था, लेकिन सोमवार को पुनः हिरणपुर से झामुमो नेता समाद मियाँ, पता करियोडिह, थाना- हिरणपुर, जिला- पाकुड़ के द्वारा कई दबंगों को लाकर उक्त जमीन पर घेराबंदी करने लगा जहां परमिला हेंब्रम के साथ साथ कई दिग्गज भी मौजूद थे। वही थाना में बबलू बास्की को यह कहा गया कि थाना प्रभारी नहीं है, उनके आने के बाद ही कार्यवाही किया जायेगा। समय बीतते गया और आखिरकार बबलू बास्की थक कर जिले के पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के पास न्याय की गुहार लगाने पहुंच गये जहां बबलू बास्की के अनुसार साहब ने तुरंत थाना थाना में फोन कर घेराबंदी का कार्य रोकवाने के लिए कहा, जिसके बाद पुनः बबलू बास्की नगर थाना पहुंचा , परन्तु खबर लिखे जाने तक किसी भी प्रकार का कार्यवाही थाना के द्वारा नहीं किया गया, जो एक सवालिया निशान है।

इंसानियत फाउंडेशन के नाजमूल हुसैन ने 12वीं बार किया रक्तदान

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ सदर सुपर अस्पताल जंगीपुर मे इलाजरत सितेसनगर के 29 वर्षीय नगमा बीबी को एमरजेंसी बी पॉजिटिव खून की जरूरत पड़ी, शरीर में हीमोग्लोबिन कम मात्रा में होने के कारण डॉक्टर ने रक्त चढ़ाने का आदेश दिया परिजनों ने खूब प्रयास किया पर व्यवस्था नहीं कर पाया कुछ कर्मचारीओ ने इंसानियत फाउंडेशन मे मदद की गुहार लगाने को कहा तभी सुचना के आधार पर संस्था के सचिव बानिज शेख ने अपने मित्र 25 वर्षीय नाजमूल हुसैन से पेसेंट की पीड़ा बताई तभी तुरंत रक्तदान के लिए राजी हों गया एवं जंगीपुर मुर्शिदाबाद जाकर बी पॉजिटिव रक्तदान किया यह लेकर 12वीं रक्तदान किया अध्यक्ष सद्दाम हुसैन ने कहा हिन्दू मुस्लिम, जाति भेदभाव,कुछ नेताओं के चक्कर मे ना आये हम हिंदुस्तानी है मिल जुलकर रहेंगे एक दूसरे की मदद करेंगे भाईचारे के साथ रहेंगे रक्तदान महादान प्रत्येक युवाओं से निवेदन है आपलोग भी रक्तदान करें मौके पर ब्लड बैंक कर्मचारी मौजूद थे.

डीपीएम ने लिट्टीपाड़ा प्रखंड के पंचायत सचिव एवं मुखिया के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया बैठक

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ सोमवार को प्रभारी जिला परियोजना प्रबंधक, ई० पंचायत आनंद प्रकाश द्वारा लिट्टीपाड़ा प्रखंड के पंचायत सचिव एवं मुखिया के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक किया। बैठक में डीपीएम ने सभी ग्राम पंचायतों को ग्रीष्मऋतु में पेयजल की समस्या को ध्यान में रखते हुए कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया गया जिसमें ग्राम पंचायत को तीन जोन में रेड, येलो एवं ग्रीन जोन में विभाजित करने का निर्देश दिया गया। रेड जोन में वैसे क्षेत्र जहाँ पेयजल का स्त्रोत नहीं के बराबर है। वहाँ टैंकर के माध्यम से जलापूर्ति की जायेगी। उक्त क्षेत्रों में जल के स्टोरेज हेतु जगह -जगह पर स्टोरेज टैंक बनाने का निर्देश दिया गया। येलो जोन में वैसे क्षेत्र आयेंगे जहाँ पेयजल की सुविधा उपलब्ध है परंतु पर्याप्त नहीं है उन क्षेत्रों में पेयजलापूर्ति हेतु जलस्त्रोतों को बढ़ाने यथा पाइपलाइन विस्तारीकरण, जल स्त्रोतों का सुदृढ़ीकरण करने का निर्देश दिया गया। ग्रीन जोन में वैसे क्षेत्र जहाँ पेयजल की समस्या अत्यंत कम है वही जल संरक्षण से संबंधित कार्य करने का निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त 15 वें वित्त आयोग अंतर्गत व्यय, पंचायत सचिवालय सुदृढ़ीकरण योजना में व्यय, उपयोगिता प्रमाण पत्र जमा किए जाने के स्थिति की भी समीक्षा की गई। उपरोक्त बैठक में प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी, प्रखंड समन्वयक, पंचायत राज स्वशासन परिषद समेत अन्य उपस्थित थे।

भाजपा ने निकाला आक्रोश मार्च, पाकिस्तानी नागरिकों को चिन्हित कर कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा निर्दोष लोगों की हत्या किए जाने के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव का माहौल है. भारत सरकार लगातार पाकिस्तान के खिलाफ कड़ा कदम उठा रहा है. इसी कड़ी में केंद्र सरकार द्वारा पाकिस्तान नागरिक को भारत छोड़ने का आदेश दिया गया है. इसके लिए सभी राज्य सरकार को निर्देश दिया गया है कि पाकिस्तानी नागरिक को चिन्हित कर पाकिस्तान भेजने का कार्य करें. भाजपा का आरोप है कि झारखंड सरकार द्वारा इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया गया है. इससे नाराज भाजपा कार्यकर्ता देवघर समाहरणालय पहुंच डीसी ने कहां कि हम एमडीएम को नियुक्त किए ज्ञापन लेने के लिए बाद भाजपा कार्यकर्ता एसडीएम आफिस पहुंच कर ज्ञापन सौंपा. ऐसे शुरू में जिला प्रशासन का रवैया निराशा जनक रहा भाजपाइयों ने जिला प्रशासन से देवघर में रह रहे पाकिस्तानी नागरिक को चिन्हित करते हुए उनके विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की गई है. भाजपा महामंत्री अधीर चंद्र भैया के नेतृत्व में काफी संख्या में पार्टी

कार्यकर्ता मनोरमा होटल में एकत्रित हुए. जहां से जुलूस की शक्ल में हाथों में तख्ती लिए शहर भ्रमण करते हुए समाहरणालय पहुंचे. भाजपा कार्यकर्ता पाकिस्तान के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते नजर आए इस मौके पर जिला महामंत्री अधीर चंद्र भैया ने कहा कि पहलगाम में धर्म पूछ कर पर्यटकों की निर्मम हत्या की गई. इस घटना की जितनी भी निंदा की जाए कम है. प्रधानमंत्री ने पाकिस्तानी नागरिक को भारत से बाहर भेजने का निर्देश दिया है, इसके बाबजूद झारखंड सरकार के रवैया के कारण आज तक यहां किसी भी तरह की कार्रवाई शुरू नहीं किया गया है.इसी के विरोध में भाजपा ने आंदोलन का रास्ता अख्तियार किया है, ताकि राज्य सरकार को जगाया जा सके. मौके पर जिला महामंत्री संतोष उपाध्याय पूर्व विधायक नारायण दास जिला उपाध्यक्ष कन्हैया झा नगर अध्यक्ष धनंजय खवाड़े प्रदेश कार्य समिति सदस्य रीता चौरसिया विजय सिंह धनंजय तिवारी रूपा केसरी विभूति झा आशीष दुबे अमित मिश्रा संध्या कुमारी अलका सोनी दिलीप सिंह जूनियर बाबूलाल मरांडी प्रमोद राय आदि मौजूद थे

संक्षिप्त समाचार

डीसी ने किया मंडलकारा का औचक निरीक्षण

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मनीष कुमार ने मंडलाकारा पाकुड़ का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंडलकारा में लगे सीसीटीवी फुटेज, विजिटर रजिस्टर, कारा परिसर, भोजनालय, दवाईयों की उपलब्धता की भी जांच की गई, जिसमे किसी भी प्रकार का कोई आपत्तिजनक सामान जेल के अंदर नही पाई गई।

स्टेट टॉपर श्रेया केसरी को मदर्स टच परिवार की ओर से किया गया सम्मानित

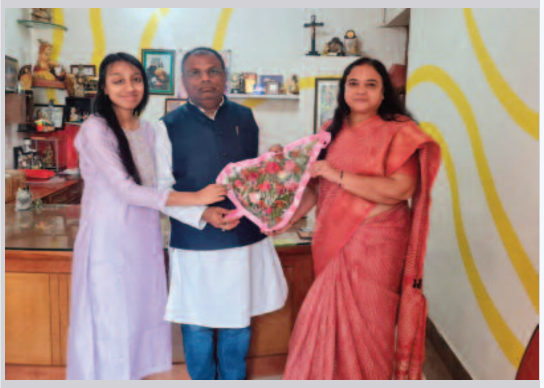

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

मदर्स टच स्कूल परिवार को यह साझा करते हुए बेहद खुशी और गर्व हो रहा है कि हमारी पूर्व छात्रा श्रेया केसरी ने क्ठरए 2024-25 की परीक्षा में 98.5% अंक प्राप्त कर झारखंड राज्य में आर्ट्स स्ट्रीम की टॉपर बनने का सम्मान प्राप्त किया है। श्रेया की इस उपलब्धि ने हम सभी को गर्व से भर दिया है। उनकी प्रारंभिक शिक्षा मदर्स टच स्कूल में हुई थी और यह हमारे लिए खास इसलिए भी है क्योंकि किसी भी बच्चे की जड़ें जितनी मजबूत होती हैं, उसकी उड़ान उतनी ही ऊँची होती है। बीते 10 वर्षों से मदर्स टच स्कूल बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य कर रहा है – न केवल शिक्षा के क्षेत्र में, बल्कि मूल्यों, सोच और आत्मविश्वास की नींव रखने में भी। श्रेया की यह सफलता हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। हम श्रेया, उनके माता-पिता, और उनके शिक्षकों को इस अद्भुत सफर के लिए दिल से बधाई देते हैं।

पक्षियों के लिए बर्ड फीडर अभियान की शुरूआत

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

पक्षियों के लिए बर्ड फीडर अभियान गर्मियों में पेड़ों की कटाई और रेडीमेड जीवनशैली के कारण पक्षियों को दाना-पानी मिलना मुश्किल हो गया है। पहले छतों पर अनाज सुखाने से उन्हें भोजन मिल जाता था, पर अब ऐसा नहीं हो रहा। इनरव्हील क्लब ऑफ देवघर ने अध्यक्ष अर्चना भगत के नेतृत्व में सभी सदस्यों को अपने घर या आसपास बर्ड फीडर लगाने की सलाह दी है, जिसमें पक्षियों के लिए रोजाना थोड़ा दाना और पानी रखा जाए। इस अभियान में सरिता अग्रवाल, रश्मि रंजन, सारिका साह, ज्ञानी मिश्रा, प्रीति जायसवाल, नमिता भगत, रेखा सिंघानिया, इन्दु नायक और श्वेता केसरी सक्रिय रहीं। आइए, हम सब मिलकर फिर से पक्षियों का चहचहाना लौटाएं!

सीडीपीओ का चार्ज भार बीडीओ ने संभाला

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवीपुर प्रखंड में सीडीपीओ का चार्ज प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय राजेश बरला को मिला है। जानकारी हो कि देवघर कल्याण पदाधिकारी सरिता कुमारी के पास देवीपुर सीडीपीओ का अतिरिक्त प्रभार था। देवघर उपायुक्त के निदेर्शानुसार देवीपुर सीडीपीओ का प्रभार देवीपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय राजेश बारला को दिया गया। जिसका सोमवार को चार्ज भार ग्रहण हुआ। इस मौके पर प्रभारी सीडीपीओ सरिता कुमारी ने अपना चार्ज भर प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय राजेश बारला को सौंपा। मौके पर महिला पर्यवेक्षीका आशा रानी, मिक्की रानी, प्रधान लिपिक आनंद बरनवाल, अनुसेवक सुरेश कुमार सहित अन्य कर्मी मौजूद थे।

सूढ़ी वैश्य समाज की जमालपुर केशोपुर नक्कीनगर में सभा का आयोजन

सूढ़ी जाति को अति पिछड़ा जाति में शामिल करने के लिए पटना चलो का आह्वान।

दिव्य दिनकर संवाददाता

जमालपुर। केशोपुर नक्कीनगर स्थित हरि ओम मंडल के आवास पर अखिल भारतीय सूढ़ी (वैश्य) संगठन के बैनर तले जमालपुर सूढ़ी समाज की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अधिवक्ता उत्तम कुमार मंडल तथा संचालन साईं शंकर ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में सूड़ी समाज के राष्ट्रीय प्रवक्ता इंजीनियर संजय प्रसाद सरस्वती उपस्थित थे। बैठक में केशोपुर नक्की नगर के वार्ड संख्या 25, 26, 27 एवं 28 के सूढ़ी समाज के लोग काफी संख्या में उपस्थित रहे। सूढ़ी जाति को अति पिछड़ा वर्ग में शामिल करने की चिर प्रतीक्षित मांग को लेकर अखिल भारतीय सूढ़ी (वैश्य) संगठन संपूर्ण बिहार में लोगों को जागृत कर दिनांक 8 जून को पटना स्थित बापू सभागार में महासम्मेलन आयोजित कर रही है। जिसमें जमालपुर और मुंगेर क्षेत्र की भागीदारी सुनिश्चित करना है। सूढ़ी सभा की अगली बैठक 11 मई को लक्ष्मणपुर तथा 18 मई को मुंगरौड़ा चौक पर संध्या 4:00 बजे से होगी। मौके पर अधिवक्ता हरिओम मंडल, सुदेश कुमार मंडल, ध्रुव नायक, अधिवक्ता शर्मिला मंडल, अमित कुमार मंडल, मुकेश कुमार, शशि भूषण प्रसाद, जयप्रकाश, मदन मंडल, पप्पू कुमार, ऋषि कुमार, सोनी कुमार, सूरज नायक, रतन कुमार मंडल, मनोहर नायक, मंगल मंडल, प्रदीप कुमार, सुभाष कुमार, भोला मंडल, सौरभ कुमार, उमेश मंडल, पवन कुमार मंडल, राजेंद्र प्रसाद मंडल, विजय कुमार मंडल, मुकेश कुमार मंडल, रूपेश कुमार, नवल किशोर, राजकुमार मंडल, संतोष कुमार, अरुण कुमार मंडल, विनोद कुमार साह, शशि भूषण, संजय कुमार, अजय कुमार, मालती देवी, मीना देवी, नीलम देवी, इंद्र सैनी कुमारी, विनीता देवी, बबिता देवी, पप्पू मंडल मौजूद थे।

भक्ति काल को स्वर्णिम काल बनाने में सूरदास का विशिष्ट योगदान

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय के महत्वपूर्ण साहित्यिक संस्था जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के तत्वावधान में सत्येंद्र नगर मुहल्ले के अवकाश प्राप्त प्रोफेसर डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह के आवास कला कुंज में भक्ति काल के महान संत कवि सूरदास जयंती समारोह धूमधाम से मनाई गई।जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद के अध्यक्षता में आयोजित सूर जयंती का संचालन प्रसिद्ध कवि नागेंद्र प्रसाद केशरी द्वारा किया गया। उपस्थित लोगों ने सूरदास के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया एवं दीप प्रज्ज्वलित कर शिवांगी एवं समीक्षा के सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की गई।भक्तिकाल के स्वर्णिम इतिहास में सूरदास के योगदान विषयक गोष्ठी में शिक्षिका प्रियंका पांडेय द्वारा विषय प्रवेश किया गया।और उनके जीवन वृत्त की चर्चा की गई। शिक्षिका अनुपमा कुमारी द्वारा सूर के पदों को व्याख्यायित किया गया तो चंदन पाठक ने सूरदास के नीतिश्लोक की चर्चा की।धनंजय जयपुरी ने सूरदास को सूर्य के समान दैदीप्यमान कवि बताया।डॉ शिवपूजन सिंह ने सूर को चेतना जगाने वाला कवि कहा। डॉ रामाधार सिंह ने सूर के काव्यों में पर्यावरणीय घटकों की चर्चा की। कवि लव कुश

प्रसाद सिंह ने उनके जीवन पर आधारित गीतों के माध्यम से उनको याद किया।पुरुषोत्तम पाठक द्वारा उनके कहानी के माध्यम से उनके जीवन वृत्त को बताया गया।संस्था के उपाध्यक्ष डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्र ने उनके काव्य में विरह वेदना पूर्ण तत्वों की चर्चा की बिरह प्रेम का विशिष्ट रूप है। पूर्व बीईओ एवं प्रसिद्ध अधिवक्ता कमलेश कुमार सिंह ने पंचतंत्र में उल्लखित सूरदास की कहानियों की चर्चा की।अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह ने बताया कि सूरदास जन्मांध थे। वात्सल्य और श्रृंगार का जो सूरदास ने बंद आंखों से जो वर्णन किया है वह खुली आंखों से भी कोई नहीं कर सकता। सूरकृत सूरसागर एक ऐसा महाकाव्य है जो सही मायने में सागर है और जो साहित्यसेवी उसमें गोता लगाते हैं उनकी साहित्यिक उत्कंठा प्रस्फुटित हो जाती है। कृष्ण काव्य का समग्र वर्णन यदि किसी ने किया तो वे सूरदास जी हैं जिनके कारण भक्ति काल को स्वर्ण काल का दर्जा दिया गया और इसे स्वर्णिम काल बनाने में उनका विशिष्ट योगदान है। संस्था के कोषाध्यक्ष बैजनाथ सिंह, संगीत शिक्षक सुशील पांडेय,समाजसेवी नारायण सिंह, अर्जुन सिंह,अशोक कुमार सिंह,आशुतोष कुमार सोमनाथ, अरुण कुमार मिश्रा, जनार्दन मिश्र जलज, राम सुरेश सिंह, शैलेंद्र कुमार सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।संस्था के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

केसरवानी समाज द्वारा बिहार प्रदेश फारबिसगंज के विधायक विद्यासागर केसरी को किया गया सम्मानित

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

बिहार प्रदेश फारबिसगंज के विधायक माननीय विद्यासागर केशरी उर्फ मंचन केशरी का केसरवानी समाज द्वारा केशरवानी आश्रम में जोरदार स्वागत अंग वस्त्र मोमेंटो बुके माला पहनाकर किया गया समाज के लोगों का हाल चाल भी विद्यायक जी ने पूछा क्या क्या समस्या है उसकी भी जानकारी ली राजनीति विषयों पर भी समाज की भागीदारी को लेकर चर्चा की गई। मौके पर केसरवानी समाज

के अध्यक्ष दीपक केसरी राष्टीय उपाध्यक्ष गजेंद्र केसरी मदन केशरी शंभू केशरी गौरी शंकर केशरी अजीत केशरी रूपा केशरी अनिल केशरी संजय केशरी विक्रम केशरी मनीष केशरी लोकनाथ केशरी राज कुमार केसरी राजू केशरी विनीत केशरी मणि केशरी रूपेश केशरी सुभाष केशरी बासुकी केशरी मुकेश केशरी पिंटू केशरी अमित केशरी मणिशंकर केशरी अजय केशरी बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।। इसकी जानकारी केसरवानी समाज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरुण केशरी ने दी।

जन सुराज पार्टी के द्वारा केन्द्र सरकार के द्वारा कराए जा रहे जातिगत जनगणना और बिहार सरकार के द्वारा सर्वे कराने के खिलाफ बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पैतृक गांव नालंदा जिला के कल्याण बिगहा से हस्ताक्षर अभियान चलाएगी

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जन सुराज पार्टी के द्वारा केन्द्र सरकार के द्वारा कराए जा रहे जातिगत जनगणना और बिहार सरकार के द्वारा सर्वे कराने के खिलाफ बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पैतृक गांव नालंदा जिला के कल्याण बिगहा से हस्ताक्षर अभियान चलाएगी। इस बात की जानकारी जन सुराज पार्टी के औरंगाबाद जिला अध्यक्ष बृजभूषण सिंह एवं पार्टी के वरिष्ठ नेता सह औरंगाबाद सदर के भावीं प्रत्याशी रमेश कुमार दोनों की उपस्थिति में जिले के जिला कार्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया इस प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से पत्रकारों को जानकारी देते हुए जिला अध्यक्ष बृजभूषण सिंह एवं रमेश सिंह ने बताया कि 11 मई से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पैतृक गांव कल्याण बिगहा से शुरू होने वाले जाती जनगणना और भुमि सर्वे को लेकर हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा जो पूरे बिहार में चलेगा। आगे नेताओं ने कहा कि

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा जातिय जनगणना और भुमि सर्वे में जो गड़बड़ी कि गई ऊसको लेकर हमारी पार्टी जन सुराज के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रशांत कुमार ने कदम उठाया है कि मुख्यमंत्री नितीश कुमार के गांव से पहले हस्ताक्षर अभियान शुरू किया जाएगा, ताकि दुध का दुध और पानी का पानी हो जाएगा और ईस तरह से पुरे बिहार में हमारी पार्टी के ओर से सर्वे किया जाएगा और अंत में राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा जाएगा। और इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिला अध्यक्ष बृजभूषण सिंह,रमेश सिंह के अलावा पार्टी के कई कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे।

प्रो डॉक्टर देवराज सुमन बने मुंगेर विश्वविद्यालय के नए डीएसडब्ल्यू

कुलानुशासक डॉ प्रो संजय भारती के कार्यकाल को अगले 2 साल के लिए किया गया विस्तारित

दिव्य दिनकर बिहार उप-प्रभारी पवन कुमार चौधरी

मुंगेर। मुंगेर विश्वविद्यालय के निवर्तमान डीएसडब्ल्यू प्रो भवेश चंद्र पांडेय के 2 वर्षों का कार्यकाल पूर्ण होने पर मुंगेर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो डॉ संजय कुमार ने नए डीएसडब्ल्यू के रूप में जगजीवन राम श्रमिक महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो डॉ देवराज सुमन को नियुक्त किया है। सोमवार को मुंगेर विश्वविद्यालय के सभागार में नए डीएसडब्ल्यू के पदभार ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुंगेर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो डॉ संजय कुमार तथा संचालन बीआरएम कॉलेज के प्राध्यापक प्रो अभय कुमार ने किया। कार्यक्रम के दौरान निवर्तमान डीएसडब्ल्यू प्रो भवेश चंद्र पांडे ने नवनियुक्त डीएसडब्ल्यू प्रो डॉ देवराज

सुमन को पदभार सौंपा। वहीं दूसरी तरफ, मुंगेर विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो डॉ संजय भारती के कार्यकाल को दो वर्ष के लिए विस्तारित किया गया। मौके पर मौजूद मुंगेर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारियों तथा प्राध्यापकों के अलावा विभिन्न छात्र संगठनों से जुड़े छात्र नेताओं ने नवनियुक्त डीएसडब्ल्यू प्रो डॉ देवराज सुमन तथा प्रो डॉ संजय भारती को विश्वविद्यालय प्रशासनिक अधिकारी के रूप में सौंपी गई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी। कुलपति प्रो डॉ संजय कुमार ने कहा कि प्रो डॉ देवराज सुमन की लोकप्रियता तथा उनकी योग्यता को ध्यान में रखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रो डॉ देवराज सुमन का राजनीतिक अनुभव डीएसडब्ल्यू पद के अनुरूप विश्वविद्यालय के विकास की दिशा में एक आयाम साबित होगा। निवर्तमान डीएसडब्ल्यू प्रो भवेश चंद्र पांडेय ने नवनियुक्त डीएसडब्ल्यू प्रो डॉ देवराज सुमन तथा कुलानुशासक प्रो डॉ संजय भारती को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दोनों ही पदाधिकारी अपनी योग्यता के आधार पर विश्वविद्यालय के विकास में उनके अधूरे कार्य को पूरा कर छात्रों की समस्याओं के समाधान में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस दौरान मुंगेर विश्वविद्यालय के अधीन विभिन्न महाविद्यालय के प्राचार्य तथा प्राध्यापक ने नवनियुक्त पदाधिकारी को माला पहनकर तथा पुष्पगुच्छ देखकर सम्मानित किया।

समावेशी शिक्षा संभाग के अंतर्गत दिव्यांग बच्चों के लिए आयोजित हुआ विशेष चिकित्सकीय जांच शिविर

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद - जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बारूण में आज 03 वर्ष से लेकर 18 आयु वर्ग के बच्चों का चिकित्सकीय जाँच हुआ जिसमें 71 दिव्यांग बच्चों का दिव्यांगता प्रमाण पत्र एवं यूडीआईडी हेतु हुआ पंजीकृत हुए।इस जाँच शिविर में 46 बच्चों का दिव्यांगता प्रमाण पत्र हेतु पंजीकरण हुआ एवं 25 बच्चों का यूडीआईकार्ड हेतु हुआ पंजीकरण वही 42 बच्चों को सदर हॉस्पिटल औरंगाबाद के लिए रेफर किया किया गया जिसमें श्रवण निःशक्त दृष्टि बाधित एवं बौद्धिक दिव्यांग के बच्चे शामिल हैं।अस्थि निःशक्त के चार बच्चों का दिव्यांगता प्रमाण पत्र भी निर्गत हुआ। बारूण प्रखंड के समावेशी शिक्षा के बीआरपी लाल बहादुर ने बताया कि जाँच शिविर में बारूण प्रखंड के अलग - अलग विद्यालयों में पढ़ने वाले एवं पोषक क्षेत्र के बच्चों ने भाग

लिए।इस शिविर का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगता प्रमाण पत्र एवं यूनिक आइडेंटिटी कार्ड बनवाना ताकि अधिक से अधिक यह कार्ड बनवाकर दिव्यांग जनों को सरकारी योजनाओं, सेवाओं और लाभों तक आसानी से पहुंचने में मदद करता है, जिससे वे समाज की मुख्यधारा में शामिल हो सकते हैं और एक बेहतर जीवन जी सकते हैं। इस जाँच शिविर को सफलतापूर्वक सम्पन्न करवाने में शिक्षा विभाग से सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी सर्वेश सिंह,राजीव कुमार चिकिस्तकीय टीम में डॉ संजय कुमार सिन्हा, सीएचसी प्रभारीडॉ वारेन्दु शेखर डॉ आलोक कुमार नयन ,जिला दिव्यांग जन सशक्तिकरण कोषांग से सुमित कुमार डाटा इंट्री ऑपरेटर रंजन कुमार, सूर्य नाथ सिंह , दिव्यांग बच्चे एवं उनके अभिभावक सम्मिलित रहें।

कुम्हार(प्रजापति) समाज का दाउदनगर प्रखंड में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों शपथग्रहण समारोह संपन्न हुआ।

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- बिहार कुम्हार (प्रजापति) समन्वय समिति प्रखंड इकाई दाउदनगर के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का 4 मई 2025 दिन रविवार को श्री विनोद प्रजापति जी (बारूण रोड दाउदनगर) के आवास पर शपथग्रहण समारोह आयोजित किया गया। जिसमें प्रखंड अध्यक्ष के रूप में विनोद प्रजापति,सचिव गुप्तेश्वर प्रजापति और कोषाध्यक्ष लौकेश प्रजापति ने समाज के विधि सम्मत श्रद्धापूर्वक इमानदारी,लगन, कर्तव्यनिष्ठता, उन्नति, उत्थान, निष्पक्षता के साथ कार्यों का निर्वहन करने की,अपने पद का दुरुपयोग नहीं करने एवं समाज के हितों की हर संभव सदैव रक्षा करने एवं समाज को मजबूती प्रदान करने की शपथ ली। समारोह में मुख्य चुनाव पदाधिकारी के रूप में संतोष कुमार प्रजापति, सहायक चुनाव पदाधिकारी अन्जय कुमार

एवं अजय प्रजापति जी साथ ही लालबहादुर प्रजापति, राजदेव प्रजापति, सुनील कुमार प्रजापति,राधालाल पंडित व अन्य प्रजापति समाज के सदस्यों की उपस्थिति में शपथग्रहण का कार्यक्रम संपन्न हुआ। गणमान्य उपस्थित सदस्यों के बीच यह भी तय किया गया कि दाउदनगर प्रखंड के सभी वार्डों, पंचायतों के प्रजापति समाज के लोगों को एकजुट करने हेतु कार्यकारिणी सदस्यों का गठन भी जल्द कर लिया जाएगा। इसके तत्पश्चात सभी वार्डों एवं पंचायतों में भी पदाधिकारियों का चयन किया जाएगा, जिससे समाज को मजबूती प्रदान करने में अहम भूमिका होगी।

धरहरा रेलवे स्टैंड में मनमाने ढंग से वसूले जा रहे बैरियर के विरोध में परिचालन बाधित

चालक के साथ हुई मारपीट की घटना को लेकर तीन पहिया व चार पहिया वाहनों का परिचालन किया ठप्प

डॉ शशिकांत सुमन

मुंगेर : मुंगेर जिले के धरहरा में ईस्टर्न रेलवे के धरहरा रेलवे स्टैंड में मनमानी ढंग से बैरियर वसूली किए जाने व मारपीट गाली गलौज से त्रस्त आक्रोशित चालकों ने विरोध जताते हुए तीन पहिया व चार.पहिया वाहनों का परिचालन ठप्प कर दिया . जिसके कारण अपने गंतव्य स्थान तक पहुंचने वाले स्थानीय यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा. वहीं इस संबंध में पूछने पर धरहरा थानाध्यक्ष धीरेंद्र कुमार पाठक ने कहा कि पीड़ित पक्ष के द्वारा आवेदन दिया गया है. जांचोपरांत कार्रवाई की जाएगी. सोमवार को धरहरा बाजार और आसपास के इलाके में उस समय अफरा तफरी मच गई जब दर्जनों की संख्या में जुटे तीन पहिया व चार पहिया वाहन के चालकों ने मनमानी ढंग से धरहरा स्टैंड के कर्मियों के द्वारा वसूले जा रहे बैरियर व नियम के विरुद्ध लिए जा रहे बैरियर का विरोध करने वाले चालक के साथ हुई मारपीट को लेकर सभी वाहनों का परिचालन ठप करने का आह्वान किया. देखते ही देखते धरहरा रेलवे स्टैंड के टोटो, ऑटो ,मैजिक सहित अन्य वाहन लेकर पहुंचे वाहन चालक गणेश मंदिर के प्रांगण में पार्किंग कर

परिचालन ठप कर दिया. चालकों का कहना था कि सरकार के नियमानुसार धरहरा छोड़कर अन्य कई जगहों में स्थित स्टैंड में तीन पहिया वाहन से 30 रूपए और चार पहिया वाहनों से 50 रूपए बैरियर के रूप में वसूले जाते हैं .जबकि धरहरा में तिपहिया वाहन से 60रूपए व चार पहिया वाहन से 80 रुपए की वसूली की जा रही है . मनमानी ढंग से वसूले जाने वाले बैरियर का जब खजुरिया के चालक जय किशोर नामक युवक ने विरोध किया तो उसे मारपीट कर जख्मी कर दिया गया. चालकों ने कहा कि धरहरा रेलवे स्टेशन के स्टैंड में मनमानी ढंग से बैरियर तो ले लिया जाता है लेकिन स्टैंड से वाहनों में यात्रियों को बुक नहीं किया जाता है . जिसके कारण वाहनों का मात्र दो बार ही परिचालन कर पाते हैं. इस स्थिति में दिन भर मेहनत करने के बाद भी मात्र ढाई सौ से तीन सौ रूपए मात्र की आमदनी होती है. वाहन से हुई आमदनी का अंश वाहन मालिकों को किराया और स्टैंड में बैरियर देने के बाद घर चलाने के लिए कुछ भी नहीं बच पाता है. इस स्थिति में चालकों की समक्ष भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गई है. आक्रोशित चालकों ने मुंगेर के डीएम अवनीश कुमार सिंह व ईस्टर्न रेलवे के अधिकारियों से मनमाने ढंग से धरहरा रेलवे स्टैंड में नियम के विरुद्ध वसूले जा रहे बैरियर पर रोक लगाने और चालकों के साथ मारपीट की घटना को अंजाम देने वाले के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है .

पाकिस्तान जैसी समस्या के समाधान का प्रश्न

विचार

> अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की ताजा टिप्पणियों में वही घबराहट झलक रही है, जो 1999 के कारगिल संघर्ष के दौरान बिल क्लिंटन के ब्यानों में थी, जब वे महसूस करने लगे थे कि कहीं टकराव बढ़कर 'परमाणु युद्ध' में न बदल जाए। वीरवार को फॉक्स न्यूज को दी गई वेंस की टिप्पणी उसी पुरानी याद जैसी थी। उन्होंने कहा, 'निश्चित रूप से, मुझे चिंता है कि कहीं मामला बढ़ न जाए, खासकर दो परमाणु शक्तियों के बीच'। वेंस ने आगे कहा : 'हम उम्मीद करते हैं कि भारत इस आतंकवादी हमले का जवाब कुछ इस तरह से दे कि यह विस्तृत क्षेत्रीय संघर्ष का रूप न ले पाए और हम उम्मीद करते हैं कि पाकिस्तान, जहां तक वह जिम्मेदार हैं।

ज्योति मल्होत्रा

पहलगाम नरसंहार पर मध्य मार्ग अपनाने की कोशिश करने में लगे अमेरिकी फिर से वही कर रहे हैं, जिसमें उन्हें महारत है, यह कहकर कि प्रधानमंत्री मोदी को 'हमारा पूर्ण समर्थन' है, लेकिन ठीक इसी वक्त पाकिस्तान की आलोचना एक हद से परे जाकर करने से बच रहे हैं। आखिरकार, अमेरिकी प्रशासन में यह तर्क चला हुआ है कि अगर आप अपराधी की मदद करने वालों पर खुलेआम इल्जाम लगा देंगे, तो भविष्य में उन्हीं से मदद कैसे मांग पाएंगे? यहां कोई मुगालता न रहे, अंततः युद्ध कोई नहीं चाहता। न अमेरिकी, न ही यूरोपीय। रूसियों को इतनी परवाह नहीं है, क्योंकि वे तीन साल से युद्धरत हैं और अपने बहुत लोगों को खो चुके हैं, लेकिन व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन के उस हिस्से को पाने के लिए दृढ़संकल्प लगते हैं, जिस पर उनकी नजर है। जहां तक चीनियों का सवाल है, वे भी युद्ध नहीं चाहते क्योंकि, जैसा कि जैबिन टी जैकब ने लिखा है, वे चाहेंगे कि 'युद्ध को छोड़कर' भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव जारी रहे, जो धीरे-धीरे एक-दूसरे को निपटा देगा। पहलगाम के बाद की स्थिति निश्चित रूप से असामान्य है। सर्वप्रथम, 2016 में उड़ी और 2019 में पुलवामा कांड में सैनिकों के शहीद होने के विपरीत, इस बार निर्दोष नागरिक मारे गए हैं। भारत ने उड़ी हमले का जवाब नियंत्रण रेखा के पार 'सर्जिकल स्ट्राइक' करके और पुलवामा हमले के बाद पाकिस्तान की सीमा के काफी अंदर घुसकर बालाकोट स्थित आतंकी शिविरों पर मिसाइलें दागकर किया था। दूसरा, कारगिल में संघर्ष सहित भारत और पाकिस्तान के बीच सभी पिछले युद्ध जो भारत ने लड़े हैंझऔर जीते हैं-भले ही शुरुआत भारत ने कभी नहीं की। इस बार, पीएम मोदी ने सार्वजनिक रूप से सबक सिखाने की बात कही है। इस वादे से लेकर कि उनकी सरकार हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादियों को खोजने के लिए 'दुनिया के अंतिम छोर तक जाएगी', गृह मंत्री अमित शाह द्वारा हिंदी में यह कहने तक कि 'चुन-चुन के जवाब दिया जाएगा', ऐसा साफ लगता है कि बदला लिया जाएगा। स्पष्टतः प्रधानमंत्री

पाकिस्तान का व्यवहार हमेशा के लिए बदलना चाहते हैं। पिछली सरकारों, भाजपा और कांग्रेस दोनों की, ने अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह के नेतृत्व में, जवाब देने की अलग-अलग शैली आजमाई थी। कारगिल में युद्ध लड़ने से लेकर आगरा में वार्ता के लिए परवेज मुशर्रफ को आमंत्रित करना, लेकिन उनके साथ समझौता अंतिम क्षण पर सिरे न चढ़ने तक और मुंबई हमलों के बाद संबंध तोड़ने से लेकर दिल्ली से रावलपिंडी के लिए सीधे विशेष विमान से विदेश मंत्री को भेजकर संबंध बहाल करने तक झ पिछले 30 सालों में तमाम नुस्खे आजमाए जा चुके हैं। सवाल यह है कि पाकिस्तान जैसी समस्या का समाधान कैसे किया जाए? इस सवाल से जूझने वाले हर प्रधानमंत्री की तरह मोदी को इल्म है कि इतिहास में उनकी याद इस बात से प्रभावित होगी कि वे भारत के पश्चिमी पड़ोसी के साथ किस प्रकार बरत पाए। उन्होंने न केवल 2014 में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को दिल्ली आमंत्रित किया बल्कि 2015 में उनके घर पहुंचकर भी हाथ मिलाने की कोशिश की। अगले कुछ दिन और सप्ताह सबसे कठिन होने की उम्मीद है। सबसे महत्वपूर्ण कारकों में अमेरिका का रुख अहम रहेगा। भारत और पाकिस्तान, दोनों पर, काफी प्रभाव रखने वाली एकमात्र शक्ति के रूप में, ट्रम्प प्रशासन भावनाओं को शांत करने की आस में दोनों पक्षों के संपर्क में है। लेकिन तथ्य यह है कि कोई अमेरिकी विशेष दूत अब तक सूटकेस पैक करके नई दिल्ली या इस्लामाबाद के लिए रवाना नहीं हुआ झ भले ही भारत सार्वजनिक रूप से 'तीसरे पक्ष' को बीच में डालने के विचार मात्र को नापसंद करता है झ यह दर्शाता है कि भारत के अलावा दुनिया भर के देशों के साथ टैरिफ पर सौदेबाजी करने में उलझे अमेरिका के पास और भी काम हैं। वास्तव में, उम्मीद है कि टैरिफ पर द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले शुरुआती देशों में भारत-अमेरिका संधि एक हो सकती है, जिससे आर्थिक चिंता कुछ कम हो पाएगी, जोकि पहलगाम घटना से पहले एक बड़ा मुद्दा रही। फिर, पहलगाम घटना पर डोनाल्ड ट्रम्प की शुरुआती टिप्पणियों पर गौर करें, जब उन्होंने एक सप्ताह पहले प्रेस रिपोर्टरों से कहा : 'मैं भारत के बहुत करीब हूं और मैं पाकिस्तान के भी बहुत करीब हूं, जैसा कि आप जानते हैं। और कश्मीर को लेकर वे 1,000 वर्षों से झगड़ रहे हैं। कश्मीर का मसला 1,000 वर्षों से जारी है, शायद उससे भी अधिक समय से'। लेकिन जिस प्रकार भारत की ओर से बयानबाजी में तेजी आई, जिसमें देश भर के परिवारों के दुख की गूंज भी शामिल है, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की ताजा टिप्पणियों में वही घबराहट झलक रही है, जो 1999 के कारगिल संघर्ष के दौरान बिल क्लिंटन के ब्यानों में थी, जब वे महसूस करने लगे थे कि कहीं टकराव बढ़कर 'परमाणु युद्ध' में न बदल जाए। वीरवार को फॉक्स न्यूज को दी गई वेंस की टिप्पणी उसी पुरानी याद जैसी थी। उन्होंने कहा, 'निश्चित रूप से, मुझे चिंता है कि कहीं मामला बढ़ न जाए, खासकर दो परमाणु शक्तियों के बीच'। वेंस ने आगे कहा : 'हम उम्मीद करते हैं कि भारत इस आतंकवादी हमले का जवाब कुछ इस तरह से दे कि यह विस्तृत क्षेत्रीय संघर्ष का रूप न ले पाएझ और हम उम्मीद करते हैं कि पाकिस्तान, जहां तक वह जिम्मेदार हैं, भारत के साथ सहयोग करे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उसके क्षेत्र से कभी-कभार गतिविधियां चलाने वाले आतंकवादियों का पता लगाया जा सके और उनसे निबटा जाए'। गिलास आधा भरा या आधा खाली? तमाम बड़ी शक्तियों का वह खेल, जो वे दोनों पक्षों के साथ खेलना चाहती हैं, जहां वेंस भारत के प्रति सहानुभूति दर्शा रहे हैं वहीं स्पष्ट रूप से यह भी चाहते हैं कि वह संयम बरते। इसी बीच, वे पाकिस्तान को 'भारत के साथ सहयोग' करने के लिए भी कह रहे हैं, जबकि खुद अमेरिका को अंतर्राष्ट्रीय जांच में शामिल होने से दूर रखना चाह रहे हैं और यही पाकिस्तान चाहता है। यहां गौरतलब है कि वेंस को अभी शक है कि आतंकवादी हमेशा पाकिस्तानी इलाके से ही गतिविधियां चलाते हैं-यानि केवल 'कभी-कभार'। फिर अरब दुनिया का आलम है। पहलगाम घटना पर सऊदी अरब की प्रतिक्रिया में पिछले 10 दिनों में काफी बदलाव आया है झ सनद रहे, नरसंहार के वक्त प्रधानमंत्री मोदी रियाद के दौरे पर थे। उस समय, शक्तिशाली क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और प्रधानमंत्री मोदी द्वारा जारी एक संयुक्त बयान में 'सीमा पार आतंकवाद' की निंदा की गई थी और कहा गया था कि 'आतंकी कृत्यों को किसी तरह न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता'। लेकिन जिस प्रकार पाकिस्तान स्थिति का अंतर्राष्ट्रीयकरण करने की कोशिश में लगा है, और इस बीच अपनी रक्षा तैयारियां बढ़ा रहा है और उसने अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है, अब सऊदी अरब कह रहा है कि दोनों देशों को 'टकराव आगे बढ़ाने से बचना चाहिए और कूटनीतिक तरीकों से विवादों का हल निकालना चाहिए'। अब आगे क्या? दुनिया ने चाहे प्रधानमंत्री मोदी को कुछ भी कहा हो, लेकिन उन्होंने और उनकी सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय, खासकर अमेरिकियों को यह स्पष्ट कर दिया होगा कि अगर पाकिस्तान दोषियों को जल्द सजा नहीं देगा, तो भारत के पास मामले को अपने हाथ में लेने के सिवाय कोई विकल्प नहीं होगा। सवाल यह है कि भारत कब तक इंतजार करने को तैयार है और क्या इस फैसले में मानसून अपनी ओर से समय सीमा तय करवाएगा। अगले कुछ दिन और हफ्ते अहम होने वाले हैं।

संपादकीय

जानलेवा परीक्षा

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारी युवा प्रतिभाएं आसमानी उम्मीदों, टॉपर संस्कृति के दबाव व तंत्र की विसंगतियों के चलते आत्मघात की शिकार हो रही हैं। हाल ही में तीन छात्रों की दुखद मौतें विचलित करने वाली हैं। इनमें राजस्थान स्थित कोटा के नीट के परीक्षार्थी और मोहाली स्थित निजी विश्वविद्यालय में फोरेंसिक साइंस का एक छात्र शामिल था। नीट परीक्षा से पूर्व छात्रों का मौत को गले लगाना हमारी घातक प्रणालीगत विफलता को ही उजागर करता है। विडंबना ये है कि परीक्षाओं के इस जोखिम को हम नजरअंदाज करते हैं। जो बताता है कि ये प्रतिभाएं किस हद तक शैक्षणिक दबाव, मानसिक स्वास्थ्य की अनदेखी तथा अवास्तविक अपेक्षाओं के मिलने से बनी जानलेवा घातकता का शिकार हो रही हैं। यह दुखद ही है कि सुनहरे सपने पूरा करने का ख्वाब लेकर कोटा गए चौदह छात्रों ने इस साल आत्महत्याएं की हैं। विडंबना यह है कि बार-बार चेतावनी देने के बावजूद कोचिंग संस्थानों के संरचनात्मक दबाव, उच्च दांव वाली परीक्षाओं, गलाकाट स्पर्धा, दोषपूर्ण कोचिंग प्रथाएं और सफलता की गारंटी के दावों का सिलसिला थमा नहीं है। यही वजह है कि हाल ही में केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण यानी सीसीपीए ने कई कोचिंग संस्थानों को भ्रामक विज्ञापनों और अनुचित व्यापारिक प्रथाओं के चलते नोटिस दिए हैं। दरअसल, कई कोचिंग संस्थान जमीनी हकीकत के विपरीत शीर्ष रैंक दिलाने और चयन की गारंटी देने के थोथे वायदे करते रहते हैं। निस्संदेह, इस तरह के खोखले दावे अक्सर कमजोर छात्रों और चिंतित अभिभावकों के लिये एक घातक संजाल बन जाते हैं। निश्चित रूप से युवाओं के लिये घातक साबित हो रही टॉपर्स संस्कृति में बदलाव लाने के लिए नीतिगत फैसलों की सख्त जरूरत है। राजस्थान सरकार की ओर से प्रस्तावित कोचिंग संस्थान (नियंत्रण और विनियमन) विधेयक इस दिशा में बदलावकारी साबित हो सकता है। लेकिन कोई भी प्रावधान तब तक कारगर साबित नहीं हो सकते जब तक कि कोचिंग संस्थानों की कारगुजारियों की नियमित निगरानी न की जाए। कोचिंग संस्थानों में नामांकन से पहले अनिवार्य परामर्श और योग्यता परीक्षण मददगार हो सकता है। यह विडंबना ही है कि वर्ष 2018 के दिशा-निर्देश, जिनका मकसद छात्रों को मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करना और निजी संस्थानों को विनियमित करना था, वे आज अप्रासंगिक हो गए हैं। यह एक हकीकत है कि सख्त निगरानी के बिना नये कानून का भी प्रतीकात्मक बनने का जोखिम बना रहता है। युवाओं को अनावश्यक प्रतिस्पर्धा के लिये बाध्य करना और योग्यता को अंकों के जरिये रैंकिंग से जोड़ना कालांतर अन्य छात्रों को निराशा के भंवर में फंसा देता है। वास्तव में सरकार को ऐसा पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करना चाहिए, जो विभिन्न क्षेत्रों में रुचि रखने वाले युवाओं के लिये पर्याप्त संख्या में रोजगार के अवसर पैदा कर सके। वास्तव में हमें युवाओं को मानसिक रूप से सबल बनाने की सख्त जरूरत है। प्रतिभागियों को बताया जाना चाहिए कि कोई भी परीक्षा जीवन से बड़ी नहीं होती। यदि वे एक परीक्षा या पाठ्यक्रम में सफल नहीं होते तो रोजगार के असंख्य विकल्प उनका इंतजार कर रहे होते हैं।

हमारे संस्कार ही हैं सबसे बड़ी पूंजी

डॉ. योगेंद्र नाथ शर्मा 'अरुण'

निरंतर आत्मकेंद्रित होते समाज में व्यक्ति का चरम भौतिकतावादी होना किसी भी समाज के लिये खतरे की घंटी है। जीवन मूल्यों का यह पराभव कालांतर में हमारे रिश्ते-नातों को लीलता है। लोक उपकार की भावना तिरोहित होती है। कुल मिलाकर मानवता का हनन होता है। व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य में कमी कालांतर में समाज की दिशा-दशा भी प्रभावित करती है। आज समाज में आर्थिक उपलब्धियों को तो सफलता का पर्याय मान लिया जाता है, लेकिन किसी को भी 'संस्कारों' के खोने की कोई चिंता नहीं! अक्सर विभिन्न समाचार-पत्रों व सूचना के अन्य माध्यमों में यह सुनने को मिलता है कि किसी बेटे-बहू ने अपनी मां को घर से निकाल दिया या पिता के साथ रहने से उन्हें परेशानी है तो सहज ही लगता है कि हम अपने मूल भारतीयता के संस्कार पीछे छोड़ते जा रहे हैं! समाज में जीवन मूल्यों और संस्कारों को पराभाव से उपजी टीस के बीच एक प्रेरक और मार्मिक प्रसंग पढ़ने को मिला है, जिसने मुझे उद्वेलित कर दिया है। वह प्रसंग मैं सुधी पाठकों से साझा करना चाहता हूं! एक समय की बात है कि एक बहुत ही गरीब पिता ने मेहनत-मज़दूरी करके अपने बेटे को पढ़ाया-लिखाया और बेटे ने भी पिता की प्रेरणा से जमकर परिश्रम किया। फिर एक दिन ऐसा आया कि बेटा आईएएस की परीक्षा पास कर विभिन्न पदों से गुजरता हुआ 'जिलाधिकारी' बन गया! पिता की प्रसन्नता का कोई ठिकाना नहीं था! बेटे की सफलता से पिता का सीना गर्व से फूल गया। लेकिन उसने सोचा कि क्या मेरे दिए संस्कार बेटे में विद्यमान हैं। बड़ा अधिकारी बनने के साथ उसमें मानवीय मूल्य पहले की तरह ही विद्यमान हैं? उसने बेटे की परीक्षा लेनी चाही। फिर जिस दिन बेटा 'जिलाधिकारी' की कुर्सी पर बैठा तो गर्वित पिता वहां पहुंचा और उसने अपने बेटे के सिर पर हाथ रखकर पूछा, 'बेटे, संसार में सबसे बड़ा कौन है?' पिता के सवाल के जवाब में बेटे ने कहा, 'पिता जी, मुझसे बड़ा कोई नहीं है!' पिता को अपने बेटे का उत्तर सुनकर एक

झटका-सा लगा। उन्हें लगा कि बेटा विभागीय तरक्की की परीक्षा में तो पास हो गया है, लेकिन लगता है संस्कारों की परीक्षा में सफल नजर नहीं आता। वे निराश भाव से लौटने लगे तो बेटे ने पिता से कहा, 'पिताजी, अब फिर से अपना सवाल मुझसे नहीं पूछेंगे?' पहले तो पिता को बेटे के सवाल पर आश्चर्य हुआ। लेकिन फिर उन्होंने बेटे से पूछ ही लिया कि 'संसार में सबसे बड़ा कौन है?' तो बेटे ने उत्तर दिया' 'पिताजी, आपसे बड़ा कोई भी नहीं है!' लौटते पिता ने रुक कर पूछा, 'कुछ देर पहले तो तुमने कहा था कि तुमसे बड़ा और कोई नहीं है, तो अब क्या हुआ?' बेटे ने शांत भाव से उत्तर दिया, 'पिताजी, आपने सवाल किया था, तब आपका हाथ मेरे सिर पर रखा हुआ था, इसीलिए मैंने कहा था कि मुझसे बड़ा संसार में कोई नहीं है! लेकिन यह एक हकीकत है कि पिता जी 'आपसे बड़ा' तो हो ही नहीं सकता क्योंकि अपने पुत्र को संस्कार देने वाले पिता के अलावा दुनिया में कोई नहीं हो सकता।

निस्संदेह, इस हृदयस्पर्शी मार्मिक प्रसंग ने मेरे हृदय को गहरे तक प्रभावित किया। इसमें दो राय नहीं कि आज की युवा-पीढ़ी को संस्कारों की सच्ची दौलत देने की सख्त आवश्यकता है। इस दिशा में समाज को फिर से प्रयास करने होंगे। निर्विवाद रूप से भारतीय संस्कृति में जिन तीन पूज्य व्यक्तित्वों को शीर्ष स्थान दिया गया है, उनमे माता, पिता और गुरु को रखा गया है। जैसे कहा भी गया है कि 'मातृदेवो भव, पितृदेवो भव और आचार्यदेवो भव'! इसमें दो राय नहीं किसी भी समाज में माता का ऋण सर्वोपरि है चूंकि मां ही जन्म देकर इस संसार में कुछ करने का अवसर देती है! पिता ही हमें समाज से परिचित कराकर जीवन की ऊंच-नीच से अवगत करते हैं। इसके अलावा हमारे गुरु हमारे जीवन से अज्ञान को मिटाकर हमें ज्ञान देते हैं। तभी हम समाज में कहीं कुछ बन पाते हैं! ये आज के वक्त की विडंबना ही है हम अपनी युवा-पीढ़ी को तमाम भौतिक सुख-सुविधाएं चांदी-सोना तो खूब देना चाहते हैं, लेकिन संस्कारों को शून्य बनाते जा रहे हैं! महाकवि तुलसीदास ने तो 'रामचरित मानस' में स्पष्ट कहा है :-

'प्रात काल उठि के रघुनाथा!
मातु पिता गुरु नावहिं माथा!'

यह तथ्य विचारणीय है कि आखिर क्यों हम आज पश्चिमी भौतिकता की आंधी में फंस कर अपनी इन संस्कारों की बेशकीमती दौलत को भूल गए हैं? क्यों हमने भारतीय समाज के सबसे बड़े चिंतन को भुला दिया है, जिस में कहा गया था :-

'गोधन, गजधन, बाजिधन, और रतन धन खान!
जब आवै सन्तोष धन, सब धन धूरि समान!'

निस्संदेह, आज बहुत आवश्यक हो गया है कि 'सन्तोष धन' अर्थात 'आत्म-संतोष' के उच्चतर जीवनमूल्य को फिर से स्थापित करने के गंभीर प्रयास हम करें! हमें सदैव याद रखना चाहिए कि तमाम सुख और शांति जीवन में भौतिक उपलब्धि हासिल करके नहीं पायी जा सकती बल्कि जीवन के 'संस्कारों' से उन्हें पाया जा सकता है! जिस दिन हृदय में 'सन्तोष का भाव' आ जाता है, उस दिन हमें सच्चे सुख की अनुभूति सहज ही होने लगेगी!

जंगलों का स्याह सच

आजकल एक किताब पढ़ रहा हूं। इसमें लेखक ने अमेजन नदी के उद्गम से संगम तक की पैदल यात्रा की है। पूरे रास्ते में अत्यधिक घना जंगल पड़ता है, जिसे अमेजन रेनफॉरेस्ट कहते हैं। यह जंगल 5000 किलोमीटर में फैला है। लेखक इस यात्रा में अनगिनत गांवों से होकर गुजरा। ज्यादातर गांववालों का व्यवहार उसके प्रति आक्रामक था। लेकिन एक चीज ने मेरा ध्यान आकर्षित किया। वह यह कि लगभग सभी जनजातीय लोग गोरी चमड़ी वालों को मुंहनोचवा और सिरकाटवा कहते थे। बहुत सारे लोगों ने लेखक को भी मुंहनोचवा माना। लेखक ने लिखा कि उनका यह व्यवहार केवल गोरी चमड़ी वालों के लिए ही था। अमेजन के दुर्गम जंगलों में रहने वाले आदिवासी लोग क्यों इतने आक्रामक हुए? इसका जवाब दिया प्रवीण वाधवा की एक फेसबुक सीरीज ने। उन्होंने भी खूब यात्राएं कीं। ध्यान रहे कि जब कोलंबस भारत के लिए चला, तो अमेरिका पहुंच गया। उसे इंडिया नाम दिया और वहां के निवासियों को कहा– इंडियन। उनकी चमड़ी पर लालिमा थी, तो उन्हें रेड इंडियन भी कहा गया। बाद में स्पष्ट हो गया कि यह इंडिया नहीं है। खैर, स्पेन ने दक्षिण अमेरिका पर कब्जा करना शुरू कर दिया। स्पेनिश सेनाएं गईं और जंगलों से लकड़ी, मसाले व चांदी लूटकर स्पेन भेजने लगीं। स्पेनिशों की कालोनियां बसीं, लोगों को ईसाई बनाया गया, भाषा–परिवर्तन और संस्कृति परिवर्तन भी हुए। स्थानीय निवासी अमेजन के जंगलों में भाग गए। बाद में बहुत सारे स्पेनिशों ने स्थानीय युवतियों से विवाह किए, बच्चे पैदा किए और स्थायी रूप से यहीं बस गए। चूंकि गोरे लोगों ने कई सौ वर्षों तक स्थानीय निवासियों पर भयंकर अत्याचार किए थे, इसलिए वे गोरों के दुश्मन बन गए। इसलिए गोरों के प्रति बहुत सारी किंवदंतियां भी बन गईं, जिन्हें वे आज भी सच मानते आ रहे हैं। आज जहां जंगल में बड़े शहर हैं, वहां तो गोरों का उतना विरोध नहीं होता, लेकिन दूर जंगलों में गोरों को देखते ही मार डालने की प्रथा है। एक और कारण है शिक्षा और रोजगार के अवसरों की कमी के कारण स्थानीय लोग जंगलों में अफीम आदि उगाते हैं। जंगलों का बहुत बड़ा हिस्सा पुलिस और कानून व्यवस्था से दूर है। स्थानीय लोग अपने रास्तों से ड्रग को शहर तक पहुंचा देते हैं। एजेंटों के जरिये नशे की यह सारी खेप मेक्सिको तक पहुंच जाती है और आखिर में अमेरिका। यानी जंगलों में ड्रग ट्रैफिकिंग नेटवर्क बहुत मजबूत है।

ब्लॉग चर्चा

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक , प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा न्यू लोक भारती प्रेस, वार्ड 10 कोकर औद्योगिक क्षेत्र कोकर रांची से मुद्रित तथा ई -37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित, संस्थापक संपादक :स्व. राधाकृष्ण चौधरी
प्रबंध संपादक : अरूण कुमार चौधरी, फोन: 9471170557/08084674042, ई-मेल : Divyadinkarranchi @ gmail.com,RNI Regd. No. : JHAHIN/2013/54373Postal Registration No. : RN-11/2012)

संक्षिप्त समाचार

शेखपुरा वासियों के लिए खुशखबरी, शेखपुरा से दिल्ली के लिए चलेगी सीधी स्पेशल ट्रेन

भारतीय रेलवे ने शेखपुरावासियों को बड़ी सौगात दे दी है.

किऊल-गया रेलखंड के शेखपुरा स्टेशन से दिल्ली के लिए सीधी ट्रेन सेवा की शुरूआत होने वाली है.

कहा जा रहा है कि, देश में आजादी के बाद पहली बार यह निर्णय लिया गया है.

रंजीत कुमार विद्यार्थी

शेखपुरा (मुंगेर) : भारतीय रेलवे ने बड़ा निर्णय लेते हुए शेखपुरा वासियों के लिए बड़ा सौगात दिया है. किऊल-गया रेलखंड के शेखपुरा स्टेशन से दिल्ली के लिए सीधी ट्रेन सेवा की शुरूआत होने वाली है, जिसके बाद शेखपुरा के लोगों के बीच काफी उत्साह देखा जा रहा है. कहा जा रहा है कि, देश में आजादी के बाद पहली बार यह निर्णय लिया गया है. जानकारी के मुताबिक, रेलवे ने समर सीजन के मद्देनजर शेखपुरा से दिल्ली के लिए सुपरफास्ट समर स्पेशल ट्रेन चलाने का ऐलान किया है.

नवादा-गया होते हुए दिल्ली पहुंचेगी ट्रेन

बता दें कि, यह सुपरफास्ट समर स्पेशल ट्रेन नवादा और गया होते हुए दिल्ली पहुंचेगी. इस ट्रेन का संचालन पहले सिर्फ गया से नई दिल्ली के बीच होता था, लेकिन यात्रियों की ओर से ही मांग की गई थी. उन्हीं की मांग को देखते हुए अब इसे शेखपुरा तक के लिए विस्तार कर दिया गया है. खबर की माने तो, रेलवे ने इसके संबंध में अधिसूचना भी जारी कर दी है.

कुछ ऐसी होगी ट्रेन की टाइमिंग

ट्रेन के समय की बात की जाए तो, गाड़ी संख्या 04063 शेखपुरा-नई दिल्ली समर स्पेशल सुपरफास्ट ट्रेन 6 मई से शुरू हो जाएगी. जो कि 11 जुलाई 2025 तक हर मंगलवार और शुक्रवार को सुबह 7 बजे शेखपुरा से प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 3:15 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी. दूसरी ओर, वापसी में गाड़ी संख्या 04064 नई दिल्ली-शेखपुरा ट्रेन 5 मई से 10 जुलाई 2025 तक हर सोमवार और गुरुवार को सुबह 9:30 बजे दिल्ली से प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 5 बजे शेखपुरा पहुंचेगी. वहीं, इस खबर के बाद यात्रियों को बड़ी सहूलियत मिली.

बेगूसराय जेल में पदस्थापित डॉक्टर समेत दो गिरफ्तार, नीट मामले में कई एडमिट कार्ड बरामद

कई महीनों बाद एक बार फिर नीट का मामला चर्चा में है.

चर्चा में इसलिए क्यों कि इसी मामले में पुलिस ने बेगूसराय के जेल में पदस्थापित डॉक्टर समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है.

जिनके पास से नगद रुपये और कई प्रवेश पत्र भी बरामद हुए हैं.

रंजीत विद्यार्थी

बेगूसराय (मुंगेर) : समस्तीपुर पुलिस ने नीट परीक्षा में स्कॉलर के द्वारा परीक्षा दिए जाने के मामले का खुलासा किया है। इस मामले में पुलिस ने तकनीकी जांच के आधार पर बेगूसराय के जेल में पदस्थापित डॉक्टर रंजीत कुमार समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसके पास से तीन मोबाइल के अलावा एक कार और 50 हजार रुपये नगद बरामद की गई है। बरामद मोबाइल में नीट परीक्षा देने वाले कई छात्रों का एडमिट कार्ड भी मिला है। इस संबंध में जानकारी देते हुए एएसपी संजय पांडे ने बताया कि पुलिस को टेक्निकल सेल से जानकारी मिली थी कि नीट परीक्षा में मूल परीक्षार्थी के बदले स्कॉलर को बैठाया गया था। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस हरकत में आई और मामले की जांच में जुट गई। एएसपी संजय पांडे ने बताया कि पटना से मिले इनपुट के आधार पर पुलिस गिरोह की तलाश शुरू की। शहर के मोहनपुर पुल के पास स्थित एक परीक्षा केंद्र के निकट संदिग्ध स्थिति में कार में बैठे दो लोगों से पूछताछ शुरू की। उनके मोबाइल को खंगाला गया तो उसके मोबाइल में कई छात्रों का एडमिट कार्ड मिला। पूछताछ के दौरान दरभंगा लहेरिया सराय काली मंदिर से निकट के रहने वाले रामबाबू मलिक और बेगूसराय जेल में पदस्थापित डॉ रंजीत कुमार ने पूछताछ के दौरान बताया कि नीट परीक्षा में कमजोर परीक्षार्थी को सफल करने के लिए यह लोग परीक्षार्थी के बदले उनके एडमिट कार्ड में छेड़छाड़ कर स्कॉलर को बैठाते हैं, जिसके एवज में ढाई से पांच लाख रुपए लिए जाते हैं। जब मोबाइल की जांच की गई तो कई छात्रों का मोबाइल चार्ट भी बरामद किया गया। जांच के दौरान यह पाया गया कि इनके मोबाइल से परीक्षार्थियों का एडमिट कार्ड और आधार कार्ड आदि आदान-प्रदान किए गए हैं। पूछताछ के दौरान लोगों ने बतलाया कि परीक्षार्थी के बदले स्कॉलर बैठने के लिए 2 से 5 लाख रुपए लेते हैं। अब पुलिस यह जांच कर रही है कि समस्तीपुर में इस गिरोह द्वारा किन-किन परीक्षा केंद्रों पर मूल परीक्षार्थी के बदले स्कॉलर को बैठाया गया है, क्योंकि जब उनकी गिरफ्तारी हुई तब तक परीक्षा समाप्त होने वाली थी। वैसे आशंका व्यक्त की जा रही है कि मोहनपुर पुल के पास स्थित एक परीक्षा केंद्र में दो से तीन परीक्षार्थी को बैठाया गया है। डॉक्टर के पास से बरामद मोबाइल में जो एडमिट कार्ड मिला है और उसे परीक्षा केंद्र पर जो परीक्षार्थी बैठे हैं उन सभी का मिलान किया जा रहा है। इस घटना के तार पटना से भी जुड़े हुए हैं। पुलिस इस मामले से जुड़े अन्य लोगों से लगातार पूछताछ कर रही है।

मुंगेर में स्वास्थ्य सेवाओं का हाल बेहाल, छह से लुढ़क कर आठवें पायदान पर पहुंचा जिला

बीटल और ओपीडी में फेल हुआ हेल्थ सिस्टम

राज्य स्तर के वीसी में जिला प्रशासन की खूब हुई किरकिरी

आशीष कश्यप

मूंगेर : मुंगेर जिले में स्वास्थ्य व्यवस्था इन दिनों आईसीयू में पड़ी है और इसका सीधा सबूत हाल ही में जारी राज्यस्तरीय हेल्थ रैंकिंग से पता चलता है. जिसमें मूंगेर 06 वें स्थान से गिरकर 08 वें स्थान पर पहुंच गया। गिरावट की वजह हेल्थ सेंटरों पर बीटल ॠ३' डेटा की भारी कमी और ओपीडी में मरीजों की बेहद कम संख्या बताया जाता है । राज्य स्वास्थ्य विभाग की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) में मूंगेर को लेकर जो गुस्सा फूटा, वह बता रहा है कि हालात कितने गंभीर हैं। रिपोर्ट के मुताबिक बंगलवा, बेलभीमा, बोचाही, दुगार्पुर, गढीग़्रामपुर, लखनपुर, पहाड़पुर और परसंडो जैसे हेल्थ सेंटर पर बीटल (ॠ३') की एंट्री लगभग ठप है। वहीं, बेलभीमा और परसंडो में तो मरीज भी आना छोड़ चुके हैं। राज्य के अधिकारियों ने वीसी (श्ठ)में खुले शब्दों में नाराजगी जताई और कहा कि ह्णमूंगेर जैसे पुराने और मजबूत जिले से ऐसी लापरवाही उम्मीद नहीं थी।ह्व

एएनएम स्टाफ पर सवाल, मैनेजमेंट बेपरवाह

बीटल Vital) जैसे बुनियादी कार्य जो गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के रिकॉर्ड से सीधे जुड़े है. अगर नहीं हो पा रहे हैं, तो फिर एएनएम और मैनेजमेंट आखिर कर क्या रहे हैं, स्वास्थ्य उपकेंद्रों में न तो डेटा अपडेट हो रहा है, न ही फील्ड पर सक्रियता दिख रही है। यहां यह बता दें कि एएनएम टेलीमेडिसीन भी नही करती है। सूत्रों के अनुसार, ह्यभाव्याह्व पोर्टल पर लंबे समय से अपडेट नहीं हो रहा, जिससे राज्य स्तर पर मूंगेर की परफॉर्मेंस कमजोर दिख रही है। जारी हुआ अल्टीमेटम, अब या तो सुधारो या तैयार हो जाओ कार्रवाई को जिला स्तर से सभी हेल्थ मैनेजर , ब्लॉक हेल्थ मैनेजर और ब्लॉक मैनेजरों को साफ निर्देश दिए गए हैं: एएनएम स्टाफ को तुरंत सक्रिय करें। 'भाव्य' पोर्टल पर सभी लंबित कार्यों को पूरा किया जाए। हर दिन की प्रगति की समीक्षा की जाए और स्थिति में सुधार लाया जाए। स्वास्थ्य सेवाओं पर संकट, लेकिन जिम्मेदारों में सन्नाटा सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब जिले की रैंकिंग गिर रही है, राज्य स्तर पर फटकार लग रही है, तब भी कुछ सेंटरों पर हालात जस के तस क्यों हैं, क्या यह लापरवाही नहीं तो और क्या है, अगर अब भी जिम्मेदार अधिकारी और फील्ड वर्कर नहीं जागे, तो अगली बार मूंगेर टॉप-10 से भी बाहर हो सकता है। जनता की सेहत से खिलवाड़ करने वालों की अब जवाबदेही तय करनी होगी।

डिग्री कॉलेज के वित्त रहित शिक्षकों ने वेतन और पेंशन को लेकर हाईकोर्ट के आदेश पर मनाया जश्न

3 महीने के भीतर हाई कोर्ट के आदेश को लागू करने की उठाई मांग

दिव्य दिनकर बिहार उप-प्रभारी पवन कुमार चौधरी

मुंगेर। करीब 40 वर्ष से अधिक समय से चली आ रही वित्त रहित अनुदानित डिग्री कॉलेज के वेतनमान तथा पेंशन सहित अन्य मांगों के लेकर पटना उच्च न्यायालय के आदेश पर मुंगेर विश्वविद्यालय के अधीन विभिन्न वित्त रहित डिग्री कॉलेज के प्राध्यापकों ने जोरदार जश्न मनाया। सोमवार को मुंगेर विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न वित्त रहित डिग्री कॉलेज के प्राध्यापकों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर जीत की बधाई दी। एसबीएन कॉलेज गढ़ीरामपुर के प्राध्यापक प्रो राजीव नयन की अगुवाई में वित्त रहित महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने इसे 40 वर्षों की लंबी लड़ाई का परिणाम करार दिया। प्रो व्यास राय, प्रो सुनीता देवी, प्रो उदय सिंह, प्रो दीपक कुमार सिंह ने कहा कि वितरण शिक्षकों के लिए माननीय पटना उच्च न्यायालय ने एक संजीवनी देने का कार्य किया है। प्रो सुनील कुमार मंडल, प्रो मसूद आलम प्रो संजय वैश्य, प्रो कुमारी अर्चना, प्रो ललन कुमार सिंह ने कहा कि वित्त रहित शिक्षक वर्षों से सरकार के समक्ष अपनी मांग को रखते आ रहे हैं। लेकिन बिहार सरकार वित्त शिक्षकों के मांगों को दरकिनार करती आ रही थी। वित्त रहित शिक्षकों को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा जो आश्वासन 2005 से पहले दिया गया था, उसके अनुरूप मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पहल करने के बजाय परफॉर्मेंस के आधार पर अनुदान देकर महज खाना पूर्ति की थी। प्रो विकास राय, प्रो अरुण कुमार, प्रो अनीस अहमद, प्रो कृष्णानंद सिंह, प्रो वीरेंद्र कुमार, प्रो छोटेलाल मंडल, प्रो मनोज ठाकुर, प्रो प्रमोद ठाकुर, प्रो के के पासवान ने कहा कि माननीय पटना उच्च न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए राज्य सरकार वित्त रहित शिक्षकों के वेतन तथा पेंशन आदि सुविधाओं को लेकर जल्द आधिकारिक रूप से फैसला लेकर इसे लागू करे। ताकि, वेतन पेंशन आदि सुविधाओं के लिए वर्षों से लालायित वित्त रहित शिक्षकों के सूखे जीवन में थोड़ी सी हरियाली आ जाए। मुंगेर विश्वविद्यालय परिसर में जश्न मनाने के दौरान संजय सिंह महाविद्यालय शेखपुरा, सुन्दर सिंह महाविद्यालय शेखपुरा, एकलव्य महाविद्यालय जमुई, एसबीएन कॉलेज गढ़ीरामपुर, इंटरनेशनल कॉलेज घोसैठ, आर लाल महाविद्यालय लखीसराय, महिला कॉलेज बड़हिया, श्रीमती गंगा देवी महाविद्यालय जमुई सहित अन्य वित्त रहित डिग्री कॉलेज के प्राध्यापक मौजूद थे।

तेरह मई को सामान्य एवं दहेज रहित आदर्श विवाह पर संगोष्ठी का होगा आयोजन।

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- तेरह मई को सामान्य एवं दहेज रहित आदर्श विवाह पर संगोष्ठी का होगा आयोजन। आदर्श विवाह करने वाले जोड़ों को किया जायेगा सम्मानित पारंपरिक विवाह गीतों की करायी जायेगी प्रतियोगिता। उक्त निर्णय जनेश्वर विकास केंद्र की हुई बैठक में लिया गया । बैठक अध्यक्ष रामजी सिंह की अध्यक्षता में अधिवक्ता संघ सभागार में संपन्न हुई। सचिव सिद्धेश्वर विद्यार्थी ने बताया कि पूर्व की तरह इस वर्ष भी 13मई को अधिवक्ता संघ सभागार में बिना ताम झाम एवं बिना दहेज के आदर्श विवाह का बढ़ावा देने हेतु विभिन्न कार्यक्रम तय किये गये । इसके तहत श्दें दिया घर कि दीया, फिर भी कहते क्या दिया श्विषय पर संगोष्ठी आयोजित किया जाएगा । इसके बाद पारंपरिक विवाह गीत प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी । तत्पश्चात सम्मान समारोह आयोजित कर आदर्श विवाह करने वाले जोड़ों और प्रतियोगिता में चयनित प्रतिभागियों को सम्मानित करने की योजना है । इस कार्यक्रम का कार्यक्रम संयोजक आदित्य श्रीवास्तव को बनाया गया।अन्य प्रस्ताव के जरिए 15 मई को परिवार दिवस के अवसर पर संयुक्त परिवार की प्रासंगिकता विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद आदर्श संयुक्त परिवार के मुखिया को सम्मानित किया जाएगा। इस कार्यक्रम का कार्यक्रम संयोजक की जिम्मेदारी कविता विद्यार्थी को दिया गया ।बैठक में जन विकास परिषद अध्यक्ष प्रो दिनेश प्रसाद, प्रो संजीव रंजन,साहित्य संवाद अध्यक्ष लालदेव प्रसाद, साहित्य संवाद सचिव उज्जवल रंजन, कला कौशल के संयोजक आदित्य श्रीवास्तव, कवि लवकुश प्रसाद सिंह, सत्यचंडी महोत्सव अध्यक्ष राजेंद्र सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता प्रमोद कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

10 मई को आयोजित होगा राष्ट्रीय लोक अदालत। राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम निस्तारित वादों से भाईचारे को मिलता है बढ़ावा - सचिव

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद - जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव तान्या पटेल 10 मई को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर जानकारी देते हुए बताया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारी अन्तिम चरण में है। उन्होंने जिलावासियों से अपील किया कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत में अपने सुलहनीय वादों का बढ़कर-चढ़कर निस्तारण करायें। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से जो वाद निस्तारित होतंब है उसे परिवार के साथ-साथ समाज में भी भाईचारे की भावना प्रबल होता है। सचिव ने दिनांक 10.05.2025 को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर कई महत्वपूर्ण दिशा झनिर्देश कार्यालय कर्मियों को देते हुए कहा कि कोई भी पक्षकार राष्ट्रीय लोक अदालत के पूर्व भी कार्यालय में आते हैं तो उनसे सम्बन्धित वाद में प्री - कॉन्सेलिंग की प्रक्रिया किया जाए, जिससे कि राष्ट्रीय लोक अदालत के दिन उनका वाद निस्तारण में किसी प्रकार की कोई कठिनाई न हो। सचिव द्वारा बताया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत का प्रचार-प्रसार ग्रामीण और दूर-दराज के क्षेत्रों में हो रहा है और इसमें और गति लाया जाना आवष्यक है। सचिव ने कहा कि आज की समय में सोसल मिडिया, प्रेस, तथा अन्य मिडिया का प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका रहता है जिसके लिए आवष्यक सहयोग लें एवं उनके द्वारा मीडिया बन्धुओं से भी यह अपील किया गया है कि लोगो का लाभ एवं वादमुक्त समाज निर्माण हेतु मीडिया की भूमिका की सराहना करते हुए उनकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण बताया गया। अतः वे भी अपने-अपने स्तर से जितना हो सके लोगो को राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से अपने वादों का निस्तारण हेतु जागरूक करें साथ ही जिले के आम जनों से भी अपील किया है कि वे ज्यादा-से ज्यादा अपने वादों का निस्तारण करायें अगर किसी तरह की समस्या उत्पन्न होती हो तो जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कार्यालय अथवा जिला विधिक सेवा प्राधिकार से सोसल मीडिया अथवा किसी भी स्तर से सम्पर्क स्थापित करें। *दिव्यांगता प्रमाणीकरण करने, उन्हें स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं से अच्छादित करने हेतु आयाजित किया जायेगा दिव्यांगता पहचान शिविर सचिव,।*

जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव, तान्या पटेल ने जानकारी देते हुए कहा कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली के निर्देश का अनुपालन जिसके अन्तर्गत किशोर न्याय अनुश्रवण समिति, माननीय सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली द्वारा दिव्यांग बच्चों की पहचान कर उनके दिव्यांगता प्रमाणीकरण करने, उन्हें स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं से अच्छादित करने हेतु दिनांक 05 मई से 15 मई, 2025 के बीच दिव्यांगता पहचान शिविर (कैंपों) का आयोजन प्रत्येक प्रखण्डों में किया जायेगा जिसके लिए पारा विधिक स्वयं सेवक के माध्यम से इस हेतु प्रचार-ह्नप्रसार के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाया जायेगा। सचिव द्वारा बताया गया कि चिन्हित बच्चों में दिव्यांगता की प्रतिशत की जॉच के लिए सिविल सर्जन द्वारा मेडिकल बोर्ड का गठन किया जायेगा उसके पश्चाम् दिव्यांगता प्रमाण-पत्र तथा यूडीआईडी कार्ड भी जारी किया जायेगा। सचिव द्वारा यह भी बताया गया कि हितधारक विभागों की भागीदारी, सहयोग सुनिश्चित करने हेतु पत्र प्रेषित किया गया है।

पटना-फिरोजपुर कैंट एवं दरभंगा-अमृतसर के मध्य 01-01 जोड़ी स्पेशल ट्रेन का परिचालन

हाजीपुर: ग्रीष्मकालीन अवकाश के अवसर पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर रेलवे द्वारा कई स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है । इसी कड़ी में और 02 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है जिनका विवरण निम्नानुसार है - 1. गाड़ी संख्या 04602/04601 फिरोजपुर कैंट-पटना-फिरोजपुर कैंट स्पेशल (डीडीयू-वाराणसी- लखनऊ-मुरादाबाद-यमुनानगर जगाधरी के रास्ते): गाड़ी संख्या 04602 फिरोजपुर कैंट-पटना स्पेशल 07 मई से 12 जुलाई, 2025 तक प्रत्येक बुधवार एवं शनिवार को फिरोजपुर से 15.10 बजे खुलकर 20.50 बजे यमुनानगर जगाधरी (दिल्ली) एवं अगले दिन 13.30 बजे डीडीयू सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए 18.00 बजे पटना पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी संख्या 04601 पटना-फिरोजपुर स्पेशल 08 मई से 13 जुलाई, 2025 तक प्रत्येक गुरूवार एवं रविवार को पटना से 20.50 बजे खुलकर अगले दिन 01.25 बजे डीडीयू सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए 23.55 बजे फिरोजपुर कैंट पहुंचेगी । 2. गाड़ी संख्या 04608/04607 अमृतसर-दरभंगा-अमृतसर स्पेशल (समस्तीपुर-हाजीपुर-छपरा- गोरखपुर-मुरादाबाद-यमुनानगर जगाधरी के रास्ते): गाड़ी संख्या 04608 अमृतसर-दरभंगा स्पेशल 09 मई से 11 जुलाई, 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को अमृतसर से 20.10 बजे खुलकर विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए रविवार को 02.30 बजे दरभंगा पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी संख्या 04607 दरभंगा-अमृतसर स्पेशल 11 मई से 13 जुलाई, 2025 तक प्रत्येक रविवार को दरभंगा से 04.00 बजे खुलकर विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए सोमवार को 10.30 बजे अमृतसर पहुंचेगी ।

वक्फ कानून हमें मंजूर नहीं, हिंदुस्तान जिंदाबाद..., हिंदुस्तान का संविधान जिंदाबाद

वक्फ संशोधन कानून 2025 के विरोध में आम सभा का आयोजन

एक विशेष समुदाय को टारगेट कर रही केंद्र सरकार

रंजीत कुमार विद्यार्थी

मुंगेर : ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड एवं इमारत शरिया बिहार, झारखंड, उड़ीसा और पश्चिम बंगाल के आह्वान पर सोमवार को नगर भवन मुंगेर में वक्फ संशोधन कानून 2025 के विरोध में एक आम सभा का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता हजरत मौलाना अहमद वली फैसल रहमानी आमिर -ए- शरियत बिहार, झारखंड, उड़ीसा ने किया। जबकि संचालन काजी रजी अहमद ने किया। इस अवसर पर कई राजनीतिक व सामाजिक कार्यकर्ता भी उपस्थित थे। हजारों की संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने हाथों में तख्तियां लिए हुए जिस पर लिखा था, वक्फ कानून हमें मंजूर नहीं, हिंदुस्तान जिंदाबाद, हिंदुस्तान का संविधान जिंदाबाद, काला कानून वापस लो जैसे आदि नारों से गूंज रहा था। वही, इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक आरिफ रहमानी ने कहा कि हिंदुस्तान की सरकार को इस बात को समझना चाहिए कि किसी एक को टारगेट कर उसके पूर्वजों के द्वारा दी गई जमीन पर जिस तरह से केंद्र की सरकार नए-नए कानून के जरिए परेशान कर रही है जो गलत है। यह संपत्ति हमारे पूर्वजों की संपत्ति है। और इसमें किसी की भी दखलंदाजी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकार को चाहिए इस कानून को वापस करें। अन्यथा अभी तो यह अंगराई है, आगे बड़ी लड़ाई है। वही कार्यक्रम के उपसंयोजक जफर अहमद ने कहा कि हिंदुस्तान की हुकूमत को इस बात को समझना चाहिए की एक बड़ा मजमा आज सड़क से सदन तक हंगामा कर रहा है। काले कानून को वापस ले। परंतु इस सरकार ने जान बूझकर अल्पसंख्यक समुदाय को टारगेट कर उसके जमीनों को हड़पने चाह रही है। यह संपत्ति किसी की जागीर नहीं। बल्कि मुसलमान के पूर्वजों की दी हुई जागीर है। इस पर नया कानून लाकर गलत कदम उठा रही है। पूरे हिंदुस्तान में इमारत ए शरिया की आवाज पर और हजरत फैसल रहमानी साहब की आवाज पर मुसलमान एकजुट होकर इस काले कानून का विरोध करते हैं। इस अवसर पर मौलाना अब्दुल्लाह बुखारी ने कहा कि हुकूमत को इस बात को समझना चाहिए की एक बड़ा तबका इस कानून के खिलाफ है, परंतु सरकार के कानो में जूं तक नहीं रेंग रही है। वहीं मौलाना रागीब रहमानी ने कहा कि हुकूमत को चाहिए कि इस बिल को वापस ले. और हिंदुस्तान में अमन और शांति का पैगाम दे। इस अवसर पर अविनाश कुमार विद्यार्थी, पंकज कुमार यादव, प्रमोद कुमार यादव ने भी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र की सरकार को समझना होगा. काले कानून को वापस ले। इस अवसर पर खालिद सैफुल्लाह, मौलाना तनवीर आलम, फजल रहमान रहमानी, एहतेशाम रहमानी, शाहीन राजा और चिंटू, ने भी संबोधित करते हुए कहा कि काला कानून को वापस करना होगा। इस अवसर पर इनामुल हक, अकरम प्रवेज चांद, आसिफ वसीम, फिरोज आलम मुखिया, बशर आलम, जिया उल हक, मोहम्मद राजू, शाहिद, सैकड़ो लोगों ने इस कानून के खिलाफ आवाज को बुलंद किया।

पटना हाई कोर्ट द्वारा वित्तरहित डिग्री कॉलेज के पक्ष में जारी आदेश को आसा पार्टी ने बताया ऐतिहासिक जीत

आसा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष आरसीपी सिंह ने उठाया था वित्तरहित शिक्षकों के पक्ष में कदम : केसरी

दिव्य दिनकर पवन कुमार चौधरी

मुंगेर। वित्तरहित डिग्री महाविद्यालयों के प्राध्यापकों के पक्ष में माननीय पटना उच्च न्यायालय के आदेश को लेकर आप सबकी आवाज राष्ट्रीय पार्टी ने इसे ऐतिहासिक जीत करार दिया है। आसा पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सह राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय केसरी ने सोमवार को रेलवे गुमटी नंबर 2 पुअर हाउस के समीप स्थित आवासीय कार्यालय में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि आसा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष आरसीपी सिंह 2005 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बिहार की कमान संभालने के बाद से वित्तरहित शिक्षकों के पक्ष में कार्य करते आ रहे हैं। बिहार के प्रधान सचिव के रूप में उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को वित्त रहित शिक्षकों को समान कार्य के लिए समान वेतन देने की दिशा में सुझाव देते आ रहे थे। जिसके आधार पर 2008 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार के सभी वित्तरहित डिग्री महाविद्यालय, इंटरमीडिएट महाविद्यालय तथा माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों को अनुदान देने के लिए राजी हुए थे। संजय केसरी ने आगे बताया कि वित्त रहित शिक्षकों के मुद्दे को सरकार के समक्ष उठाने की दिशा में उन्होंने जनाधिकार मोर्चा के बैनर तले कई बार आंदोलन चलाया था। आसा पार्टी के गठन के बाद उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामचंद्र प्रसाद सिंह के समक्ष वित्तरहित शिक्षकों के मुद्दे को भी पार्टी के फोरम पर कई बार रखा था। जिसके आधार पर राष्ट्रीय अध्यक्ष रामचंद्र प्रसाद सिंह ने इस मुद्दे को आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के घोषणा पत्र में शामिल करने की दिशा में अपनी सहमति जताई थी। इसके अलावा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने वित्तरहित शिक्षकों की मांगों के समर्थन

में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तथा शिक्षा मंत्री को पत्र लिखकर इस दिशा में सकारात्मक निर्णय लेने की मांग उठाई थी। संजय केसरी ने कहा कि इस ऐतिहासिक फैसले को सरकार जल्द से जल्द लागू करें। उन्होंने माननीय पटना उच्च न्यायालय तथा बिहार सरकार से मांग करते हुए कहा कि डिग्री कॉलेज की तर्ज पर बिहार के सभी इंटरमीडिएट महाविद्यालय तथा माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को भी समान कार्य के लिए समान वेतन सहित पेंशन आदि की सुविधा देने की दिशा में जल्द फैसला ले। ताकि बिहार से वित्तरहित शिक्षा नीति पूरी तरह से समाप्त हो। उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि माननीय पटना उच्च न्यायालय के आदेश को बिहार सरकार ज्यादा शीघ्र लागू नहीं करती है तो आने वाले दिनों में आप सबकी आवाज पार्टी की ओर से पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामचंद्र प्रसाद सिंह के नेतृत्व में चरण पत्र आंदोलन चलाया जाएगा। आगामी विधानसभा चुनाव में वित्त रहित शिक्षकों के मुद्दे को घोषणा पत्र में शामिल करते हुए इसे चुनावी एजेंडा के रूप में जनता के बीच लाएगी। उन्होंने आगे कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में यदि आशा पार्टी सरकार में आती है तो वित्त रहित शिक्षकों को नियमित शिक्षक के रूप में सभी सुविधाएं उपलब्ध कराएगी।

पुलिस से बचने के लिए बांग्लादेशी बने ट्रांसजेंडर, चार गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम जिले की फॉरेन्स सेल की टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए आजादपुर सब्जी मंडी इलाके से चार अवैध रूप से भारत में रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। ये सभी संदिग्ध अपने को ट्रांसजेंडर बताकर दिल्ली की सड़कों पर भीख मांगने और अन्य गतिविधियों में संलिप्त थे। उत्तर पश्चिमी जिले के डीसीपी भीष्म सिंह ने बताया कि पुलिस को खुफिया जानकारी मिली थी कि कुछ अवैध बांग्लादेशी नागरिक ट्रांसजेंडर के रूप में पहचान छुपाकर दिल्ली में सक्रिय हैं। सूचना को पुख्ता कर जिले की फॉरेन्स सेल ने महेन्द्रा पार्क थाना क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया। इंस्पेक्टर विपिन कुमार की देखरेख में पुलिस टीम ने इलाके में जाल बिछाया और आजादपुर सब्जी मंडी के पास से चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से दो मोबाइल फोन बरामद हुए। इन मोबाइल फोन में प्रतिबंधित आईएमओ ऐप इंस्टॉल था। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे बांग्लादेश से अवैध रूप से भारत में घुसे थे। उन्होंने अपनी पहचान छुपाने के हार्मोनल इंजेक्शन और मामूली सर्जरी करवाई थी। पकड़े गए आरोपितों की पहचान अरमान उर्फ ईशा (21), आरिफ उर्फ शिल्पा (26), जाहिद उर्फ मौसमी (21), और बाबुल उर्फ पाखी (40) के रूप में हुई है।

आतंकवादियों को सरकार ऐसा जवाब देगी कि उनकी आने वाली पीढ़ियां याद रखेंगीः कुलजीत चहल

नई दिल्ली । एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत चहल ने पहलगाम आतंकी हमले पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार आतंकवाद के खिलाफ हमेशा कड़ा जवाब देती है और पाकिस्तान को इस बार भी करारा जवाब दिया जाएगा। देश के लोग जो चाहते हैं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुश्मनों को उसी भाषा में जवाब देंगे। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के इस बयान पर कुलजीत चहल ने कहा कि पाकिस्तान ने जो गलती की है, उसकी कीमत उसे चुकानी पड़ेगी। एक बड़ा कदम उठाया जाएगा, जिसे देश और दुनिया देखेगी। और जो आतंकवादी हैं या आतंकवाद का समर्थन करते हैं, उन्हें ऐसा जवाब मिलेगा कि उनकी आने वाली पीढ़ियां भी इसे याद रखेंगी।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा था कि मैं देशवासियों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जैसा आप चाहते हैं, वैसा होकर रहेगा। देश के लोग जो चाहते हैं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुश्मनों को उसी भाषा में जवाब देंगे।

‘वक्फ’ पर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद बोले, ‘सुप्रीम कोर्ट के पास शक्ति है कि वह कानून की समीक्षा कर सकता है’

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट सोमवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर फिर से सुनवाई करेगा। इस मुद्दे पर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के पास शक्ति है कि वह कानून का रिव्यू कर सकता है। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने से बात करते हुए कहा, हम वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गए हैं और हमारी तरफ से एक एफिडेविट भी दाखिल किया गया है। सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई है और सरकार की तरफ से भी हलफनामा दाखिल किया गया है, जो झूठ है और सरकार यह कह रही है कि इस कानून को रोक नहीं सकते। मैं बता देना चाहता हूं कि सुप्रीम कोर्ट को पावर है कि वह कानून का रिव्यू कर सकता है। साथ ही वह उस पर रोक भी लगा सकता है।उन्होंने आगे कहा, सरकार झूठ बोल रही है और गलत बयानी कर रही है। वक्फ बोर्ड पर नियंत्रण सरकार का है और यह कभी सरकार से ऊपर नहीं रहा है। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या लोकतंत्र में तानाशाही चल रही है, जो भी बना दिया जाएगा, उसे खुदा का आदेश माना जाएगा? सुप्रीम कोर्ट को यह हक है कि वह कानून का रिव्यू करें, अगर सुप्रीम कोर्ट को लगता है कि यह सही है तो सरकार कैसे कह सकती है कि इस कानून को रोक नहीं सकते।

पाकिस्तान से तनाव के बीच प्रधानमंत्री मोदी और वायुसेना प्रमुख के बीच हुई महत्वपूर्ण मुलाकात

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। वायुसेना प्रमुख एपी सिंह रविवार दोपहर को प्रधानमंत्री आवास पहुंचे। यहां उन्होंने करीब 40 मिनट तक प्रधानमंत्री से मुलाकात कर उन्हें महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी। इससे पहलेनौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की थी। मौजूदा समय में यह मुलाकातें काफी अहम हैं। खास तौर पर यह तब और भी अहम हो जाती है जब पाकिस्तान बीते 10 दिनों से नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम का उल्लंघन कर रहा है। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद से सुरक्षा बलों ने आतंकियों पर शिकंजा कसा हुआ है। इस आतंकवादी हमले में आतंकियों ने 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या कर दी थी।

संस्कृत मजबूत होगी तो बाकी भाषाएं भी मजबूत होंगी : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि संस्कृत भाषा और भारतीय संस्कृति के पुनरुत्थान के लिए संघ और संस्कृत भारती ने एक मजबूत अभियान शुरू किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार किसी भी भाषा का विरोध नहीं करती, बल्कि सभी भाषाओं को सशक्त बनाना चाहती है। यह बातें शाह ने संस्कृत भारती द्वारा आयोजित 1008 संभाषण शिविरों के समापन समारोह में कहीं। अमित शाह ने कहा कि संस्कृत अधिकांश भारतीय भाषाओं की जननी है। यदि संस्कृत मजबूत होगी तो बाकी भाषाएं भी मजबूत होंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। नई शिक्षा नीति में भी संस्कृत के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। शाह ने कहा कि संस्कृत के अमृत ज्ञान को सरल भाषा में दुनिया तक पहुंचाना जरूरी है। उन्होंने सभी से अपील की कि संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार में सहयोग करें। उन्होंने

बताया कि सरकार ने पांडुलिपियों के संरक्षण और डिजिटलाइजेशन के लिए 500 करोड़ रुपये का बजट तय किया गया है। इस मौके पर दिल्ली के मुख्यमंत्री ने भी विचार रखे। उन्होंने कहा कि इन शिविरों में हजारों लोगों ने भाग लिया, जो मातृभूमि के प्रति समर्पण का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्कृत को कठिन मान लिया गया है, जबकि यह सबसे वैज्ञानिक भाषा है। आज दुनिया के 60 विश्वविद्यालयों में संस्कृत पढ़ाई जा रही है। संस्कृत की उपयोगिताओं को देखते हुए संस्कृत भारती ने दिल्ली के लोगों को संस्कृत बोलने का विशाल प्रशिक्षण शिविर चलाया। दिल्ली के सभी जिलों में 1008 स्थानों पर 23 अप्रैल से 03 मई तक संस्कृत संभाषण शिविरों का संचालन किया। दस दिनों तक रोजाना दो घंटे व्यवहारिक तरीकों से संस्कृत बोलना सिखाया गया। शिविरों के जरिए करीब 20 हजार प्रतिभागियों ने लिया। संस्कृत बोलना सीखने को लेकर प्रतिभागियों में उत्साह रहा। विभिन्न उम्र वर्ग के प्रतिभागी बच्चे, बड़े, बुजुर्ग, नौकरीशुदा, व्यापारी व गृहणियों ने संस्कृत बोलने का प्रशिक्षण लिया। प्रशिक्षण की खास बात यह रही कि दिल्ली के अलावा उत्तर प्रदेश, हरियाणा व राजस्थान के शिक्षकों ने प्रतिभागियों को संस्कृत का व्यवहारिक ज्ञान दिया और उनकी शंकाओं का समाधान किया।

एनडीएमसी प्रतिदिन एक घंटे का मेगा स्वच्छता अभियान- ‘श्रमदान ’ चलाएगी

एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) अपने सभी 14 स्वच्छता सर्किलों में ‘श्रमदान’ के रूप में नई दिल्ली क्षेत्र में एक मेगा स्वच्छता अभियान शुरू करने जा रही है। इस पहल में एनडीएमसी के हर विभाग के सभी कर्मचारी शामिल होंगे, जो प्रतिदिन सुबह 8:00 से 9:00 बजे तक भाग लेंगे और इसमें उत्साही आम जनता और क्षेत्रीय निवासी भी शामिल होंगे। एनडीएमसी के अध्यक्ष केशव चंद्र के अनुसार यह केवल एक अभियान नहीं है। यह पूरे शहर में बदलाव का प्रयास है। इसमें प्रत्येक कर्मचारी और प्रत्येक नागरिक का योगदान महत्वपूर्ण है। सभी कर्मचारियों द्वारा प्रतिदिन केवल एक घंटा देने और हमारे नोडल अधिकारियों के सक्रिय सहयोग से, यह परिवर्तन स्पष्ट, प्रभावशाली और स्थायी महत्व का होगा। उन्होंने कहा कि यह अभूतपूर्व नागरिक पहल पहली बार की जा रही है, जब एनडीएमसी का प्रत्येक कर्मचारी नियमित कार्यालय कार्य शुरू करने से पहले एक घंटे की फील्ड में सफाई के प्रयास में शामिल होगा। जिससे अब यह प्रयास एनडीएमसी द्वारा अब तक चलाए गए सबसे बड़े नागरिक स्वच्छता अभियानों में से एक बन जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि श्रमदान अभियान के कुशल क्रियान्वयन और इसमें जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए, 14 विभागाध्यक्षों को नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है। जिनमें से प्रत्येक एक स्वच्छता सर्कल के लिए जिम्मेदार है। ये अधिकारी सभी फील्ड गतिविधियों का समन्वय करेंगे, कर्मचारियों की तैनाती की निगरानी करेंगे। स्वच्छता प्रयासों की निगरानी करेंगे और फील्ड में दैनिक रिपोर्टिंग और अनुपालन सुनिश्चित करेंगे। इस अभियान के लिए संसाधन जुटाने और रसद के रूप में एनडीएमसी ने स्वच्छता उपयोगी और सूचना, शिक्षा, संचार सामग्री की व्यापक आपूर्ति की व्यवस्था भी की है।

‘दूसरी FIR दर्ज करने की जरूरत नहीं’, बदलापुर एनकाउंटर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के आदेश पर लगाई रोक

एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने बदलापुर एनकाउंटर मामले में राज्य सरकार को बड़ी राहत दी। पीठ ने बदलापुर एनकाउंटर मामले में कथित तौर पर दोषी पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज करने के बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी है। दरअसल, पिछले साल ठाणे जिले के बदलापुर में नाबालिग मासूम बच्ची का यौन शोषण किया गया था। इसके बाद आरोपी अक्षय शिंदे को 23 सितंबर 2024 को पुलिस एनकाउंटर में मारा गया था। इस मामले को लेकर अक्षय शिंदे के परिवार की तरफ से बॉम्बे हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की गई और उन्होंने ठाणे पुलिस पर फर्जी एनकाउंटर का आरोप लगाया। बॉम्बे हाई कोर्ट ने सुनवाई के दौरान प्राथमिक तौर पर इस एनकाउंटर को संदिग्ध मानते हुए दोषी पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था।

इसके साथ ही पिछले हफ्ते कोर्ट ने ठाणे पुलिस कमिश्नर को फटकार लगाते हुए 4 घंटे में इसका जवाब

मांगा था। इस मामले को लेकर राज्य सरकार की तरफ से सुप्रीम कोर्ट का रुख किया गया। अदालत ने सोमवार को इस मामले में सुनवाई करते हुए राज्य सरकार और ठाणे पुलिस को बड़ी राहत दी।

अदालत ने कथित तौर पर दोषी पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज करने के बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी। कोर्ट ने कहा कि इसकी जांच की जा सकती है, लेकिन दूसरी एफआईआर दर्ज करने की कोई जरूरत नहीं है। बता दें कि सफाई कर्मचारी अक्षय शिंदे पर दो नाबालिग लड़कियों का यौन उत्पीड़न करने का आरोप था। बाद में शिंदे पुलिस एनकाउंटर में मारा गया था। जानकारी के अनुसार, अक्षय शिंदे को तलोजा जेल से बदलापुर स्थानांतरित किया जा रहा था। इसी दौरान कथित तौर पर उसने एक पुलिसकर्मी से हथियार छीनकर गोली चला दी थी। पुलिस की ओर से जवाबी कार्रवाई में वह घायल हो गया था और बाद में इलाज के दौरान अस्पताल में उसकी मौत हो गई थी।

देश के कई राज्यों में आठ मई तक आंधी-तूफान और बरसात का पूर्वानुमान, ओडिशा के लिए आज का दिन भारी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई हिस्सों में आगामी 08 मई तक आंधी-तूफान, बारिश, ओलावृष्टि और आसमानी बिजली गिरने का पूर्वानुमान जारी किया है। मौसम विज्ञानी डॉ. संजीव द्विवेदी ने कहा कि आज ओडिशा में भारी बरसात हो सकती है। इसकी चेतावनी पहले ही जारी की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि इस चेतावनी के दायरे में ओडिशा के मयूरभंज, क्योंझर, बालासोर, भद्रक और गजपति जिला शामिल हैं। इस दौरान ओलावृष्टि भी हो सकती है। कल भी ऐसा ही मौसम रह सकता है। 07-08 मई को हलकी बारिश होने का पूर्वानुमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि ओडिशा, पश्चिम बंगाल के गंगा के तटवर्ती इलाकों के साथ ही देश के पूर्व मध्य और पूर्वी इलाकों में गरज के साथ वर्षा की मौजूदा गतिविधियों में सात मई के बाद से कुछ कमी आ सकती है। हिमाचल प्रदेश में ऑरेंज अलर्ट के बीच पिछले 24 घंटों में कई जगह तेज बारिश के साथ ओले गिरे हैं। चंबा जिले के चेली गांव के डोंडरा नाला में शनिवार रात बादल फटने से एक बुजुर्ग नाले में बह गया। उसका शव बरामद कर लिया गया है। सुबह 8:30 बजे तक 24 घंटे के दौरान पूर्वी राजस्थान, मध्य भारत, ओडिशा और झारखंड में कुछ स्थानों पर 70-100 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवा चलीं और कुछ जगहों पर धूल भरी आंधी आई। गुजरात, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान में भी 40-70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। पश्चिम बंगाल के गंगा के तट वाले इलाकों, बिहार, अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय, नागालैंड, त्रिपुरा, तमिलनाडु पुड्डुचेरी, केरल , उत्तर आंतरिक कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर आंधी-तूफान का असर रहा। उत्तराखंड, पश्चिमी राजस्थान, मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़ में कुछ स्थानों स्थानों पर ओलावृष्टि हुई। ओडिशा और मेघालय में कई जगह भारी वर्षा हुई। इससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, उत्तरी पाकिस्तान और उससे सटे पंजाब और उत्तर-पश्चिम राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ बना हुआ है। इसके प्रभाव से 10 मई तक जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, उत्तर प्रदेश में तेज हवाओं के साथ मध्यम बारिश हो सकती है। इस दौरान राजस्थान में भी छिटपुट बारिश होने की संभावना है।

राहुल गांधी हिंदू हैं या नहीं, इसका निर्णय शंकराचार्य करेंगे - आचार्य प्रमोद कृष्णम

एजेंसी

गाजियाबाद। ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के राहुल गांधी पर दिए गए बयान ने विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने राहुल गांधी को हिंदू धर्म से निष्कासित करने को लेकर बयान दिया था। इस मामले पर कांग्रेस के पूर्व नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि राहुल गांधी के हिंदू होने या न होने का निर्णय केवल शंकराचार्य जी ही ले सकते हैं। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा, राहुल गांधी हिंदू हैं या नहीं, इसका निर्णय शंकराचार्य जी करेंगे और यह निर्णय शंकराचार्य जी ही कर सकते हैं। मैं शंकराचार्य जी के बयान पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता, लेकिन जहां तक मंदिर जाने की बात है, मंदिर भगवान के द्वार हैं और भगवान के द्वार पर कोई भी जा

सकता है। भगवान के द्वार पर वो भी आ सकता है, जो भगवान को नहीं मानता है। राहुल गांधी को मंदिर जाने से रोकने वाले बयान का मैं समर्थन नहीं करता। उन्होंने सनातन धर्म की उदारता पर जोर देते हुए कहा कि हिंदू धर्म में किसी भी समुदाय के व्यक्ति, चाहे वह मुस्लिम हो या ईसाई, मंदिर में दर्शन के लिए जा सकता है। यह सनातन धर्म की ‘वसुधैव कुटुंबकम’ की भावना को दर्शाता है। यूपी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के बयान को लेकर भी आचार्य प्रमोद ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह बयान अजय राय का नहीं, बल्कि राहुल गांधी का है। उन्होंने आरोप लगाया कि संविधान का अपमान करना, संसद की गरिमा को ठेस पहुंचाना और भारत के शौर्य को कलंकित करना राहुल गांधी का स्वभाव बन चुका है। आचार्य प्रमोद ने कहा, अजय राय में इतनी हिम्मत नहीं कि वह स्वतंत्र रूप से ऐसा बयान दे सकें। यह बयान राहुल गांधी ने बुलवाया होगा। इस तरह के बयान कांग्रेस की कार्यशैली का हिस्सा हैं। राहुल गांधी के ब्राउन यूनिवर्सिटी में दिए गए बयान को लेकर भी आचार्य प्रमोद ने तंज कसा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी न तो ‘राम-राम’ बोलते हैं, न ‘जय श्री कृष्ण’ कहते हैं, न ‘वंदे मातरम’ का उच्चारण करते हैं और न ही ‘जय श्री राम’ का नारा लगाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी हमेशा से भगवान राम को काल्पनिक मानते रहे हैं।

पाकिस्तान के मुद्दे पर आचार्य प्रमोद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत हर हमले का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है।

बाइक सवार बदमाशों ने युवक को मारी गोली, नाबालिग समेत दो को पकड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली जिले के तिलक मार्ग स्थित भैरों मंदिर के पास बाइक सवार बदमाशों ने एक व्यक्ति को गोली मार दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित मौके से फरार हो गए। घायल को राहगीरों ने तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं अस्पताल से मामले की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल के बयान पर केस दर्ज किया।जांच में घायल की पहचान आरके सिंह के रूप में हुई। उनकी चांदनी चौक स्थित तिलक बाजार में परफ्यूम की दुकान है। उन्होंने बताया कि उनके पास घटना के समय ज्यादा नकद नहीं था और घटना के दौरान कोई लूटपाट नहीं हुई। नई दिल्ली जिले के डीसीपी देवेश मेहला ने बताया कि दो 2 मई की रात करीब 10 बजे सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति को गोली लगने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल व्यक्ति की पहचान आर. के. सिंह के रूप में हुई। पूछताछ में पीड़ित ने बताया कि रात करीब नौ बजे वह भैरों मंदिर के पास थे, तभी बाइक सवार कुछ अज्ञात लोगों ने उन पर फायरिंग की।

डीसीपी के अनुसार घटना को गंभीरता से लेते हुए तिलक मार्ग थाने में हत्या के प्रयास तथा आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल कर आरोपियों की पहचान कर एक नाबालिग समेत दो लोगों को पकड़ा। गिरफ्तार आरोपित की पहचान प्रशांत उर्फ गोविंद (21) के रूप में हुई है और दूसरा नाबालिग है ।

दिल्ली विधानसभा का विशेष सत्र 13-14 मई को, सीएम रेखा गुप्ता ने विधायकों के साथ की बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली, । दिल्ली सचिवालय में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में भाजपा विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक हुई। सरकार ने 13 और 14 मई को विधानसभा का दो दिवसीय विशेष सत्र बुलाने का फैसला किया है। बैठक में सत्र के दौरान संभावित विधेयकों और विभिन्न योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के बाद भाजपा विधायक शिखा राय ने बताया कि मुख्यमंत्री और मंत्रियों ने सरकार की मौजूदा और आगामी योजनाओं पर चर्चा की। इन योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने और जनता तक उनका लाभ पहुंचाने पर जोर दिया गया। विशेष रूप से, 20 दिवसीय स्वच्छता अभियान की शुरुआत होने वाली है, जिसमें सभी विधायकों को अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय भागीदारी के लिए निर्देश दिए गए हैं। शिखा राय ने कहा कि इस अभियान के जरिए दिल्ली को स्वच्छ बनाने का वादा पूरा किया जाएगा।भाजपा विधायक रविंदर सिंह नेगी ने बताया कि इस सत्र में दिल्ली के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा होगी। इनमें शिक्षा से संबंधित विधेयक और मानसून के दौरान जलभराव जैसी समस्याओं से निपटने के लिए प्रस्ताव शामिल हो

सकते हैं। हालांकि, विधेयकों का विस्तृत ब्यौरा अभी सामने नहीं आया है, लेकिन सत्र की तारीखें 13 और 14 मई तय की गई हैं। भाजपा विधायक ओम प्रकाश शर्मा ने बताया कि बैठक में मानसून की तैयारियों, नालों से गाद निकालने, स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति, टेंडर माफिया को खत्म करने और पानी की उचित व्यवस्था जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ। उन्होंने कहा कि ऐसी बैठकें सरकार और विधायकों के बीच समन्वय के लिए नियमित रूप से आयोजित होती हैं। दिल्ली सरकार के मंत्री आशीष सूद ने कहा कि यह बैठक विशेष सत्र की तैयारियों और जनता के मुद्दों को सुलझाने के लिए थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी विधायक अपने क्षेत्रों की समस्याएं उठाएंगे और उनका समाधान निकालेंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार जनता के लिए सप्ताह में सातों दिन-चौबीसों घंटे काम कर रही है। चाहे मौसम, सड़कों की स्थिति या जलभराव की समस्या हो, हर क्षेत्र में सुधार के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। हाल की रिकॉर्ड बारिश के बावजूद जलभराव की स्थिति को एक घंटे में नियंत्रित कर लिया गया। सीएम ने कहा कि 27 साल के बैकलॉग को खत्म करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है और सचिवालय हर दिन जनता की सेवा के लिए खुला रहता है।

एनडीएमसी के उपाध्यक्ष ने बंगाली मार्केट में रात के विशेष सफाई अभियान का नेतृत्व किया

एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने अपने विकसित एनडीएमसी 2047 मिशन के तहत रात के समय बंगाली मार्केट में विशेष सफाई अभियान चलाया। इस चौथे चरण के अभियान का नेतृत्व एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने किया।इससे पूर्व एनडीएमसी द्वारा खान मार्केट, जनपथ और सरोजिनी नगर जैसे प्रमुख बाजारों में भी इसी प्रकार के रात्रिकालीन सफाई अभियान सफलता पूर्वक चलाए जा चुके हैं।एनडीएमसी अब इन सभी व्यस्त बाजारों में हर रात नियमित रूप से गीली सफाई की व्यवस्था लागू कर रहा है। बंगाली मार्केट में हुए इस अभियान में बंगाली मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन के मुकेश गुप्ता-प्रेसिडेंट और प्रमोद गुप्ता-सेक्रेटरी के साथ स्थानीय दुकानदारों, स्वास्थ्य और सिविल इंजीनियरिंग विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और सफाई कर्मचारी शामिल हुए।अभियान के दौरान रात 11 बजे से पहले सूखी सफाई और फिर हाई-प्रेशर जेट मशीनों की मदद से सड़कों, नालियों व फुटपाथों की गीली सफाई की गई। एनडीएमसी की

14 सदस्यीय टीम ने सफाई सैनिकों व निरीक्षकों के साथ मिलकर इस कार्य को पूर्ण किया । चहल ने कहा कि रात्रिकालीन सफाई अभियान में किसी प्रकार की बाधा न आए, इसके लिए परिषद द्वारा मैकेनिकल रोड स्वीपर, जेट स्प्रेयर जैसी आधुनिक सफाई मशीनें खरीदी जा रही हैं, ताकि इस मॉडल को अन्य प्रमुख बाजारों और परिषद की आवासीय कॉलोनियों में भी शीघ्रता से लागू किया जा सके।

शहजाद पूनावाला का आरजेडी पर निशाना, कहा- ‘इंडी अलायंस अब रावलपिंडी अलायंस बन चुका है’

एजेंसी

नई दिल्ली। सर्जिकल स्ट्राइक पर आरजेडी नेताओं की ओर से सवाल खड़े करने पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने जोरदार निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह इंडी अलायंस नहीं बल्कि रावलपिंडी अलायंस बन गया है। सोमवार को न्यूज एजेंसी से बातचीत के दौरान भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि इंडी अलायंस के अंदर यह होड़ लग गई है कि कौन पाकिस्तान का सबसे ज्यादा साथ दे सकता है। पहले कांग्रेस पार्टी ने पाकिस्तान को क्लीन चिट दी और सेना के मनोबल पर हमला किया। अब उन्हीं की राह पर चलते हुए आरजेडी चल रही है। इनके नेता सुधाकर सिंह, सांसद मनोज झा जैसे लोग जो सर्जिकल स्ट्राइक के मुद्दे पर कांग्रेस नेता चरणजीत सिंह चन्नी के समर्थन में आ जाते हैं, तो एक नेता इनका पुलवामा कैसे हुआ इस पर सवाल उठाते हैं। इनके बयान पाकिस्तान को क्लीन चिट देने का काम कर रहे हैं। इससे पता चलता है कि यह इंडी अलायंस नहीं बल्कि रावलपिंडी अलायंस है और ये लोग लंबे समय से इसी प्रकार काम कर रहे हैं जिससे सेना के मनोबल को कमजोर किया जाए।‘राफेल’ पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के बयान पर इनका एक ही उद्देश्य है पाकिस्तान की भाषा बोलना। सुरक्षा बलों का अपमान करना ही इन्हें यही करना आता है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद कांग्रेस के कई नेताओं ने

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि राहुल गांधी के बेहद करीबी कांग्रेस नेता अजय राय ने राफेल के खिलौने से ही नहीं, बल्कि देश की सेनाओं के मनोबल से भी खिलवाड़ किया है। उनके बयान पाकिस्तान में सुर्खियों में हैं। कांग्रेस नेता ने भारत की सैन्य ताकत का मजाक उड़ाया है इसीलिए कांग्रेस अब सिर्फ कांग्रेस नहीं रही, बल्कि देश विरोधी कांग्रेस बन गई है। पाकिस्तान को क्लीन चिट देने का काम किया। उन्होंने आगे कहा कि चन्नी सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल खड़े करते हैं और अजय राय ने जिस प्रकार से राफेल का मजाक बनाया है, इससे कांग्रेस पार्टी का सेना विरोधी चेहरा सामने आया है। ऑल पार्टी मीटिंग में इंडी अलायंस कहती है कि हम सरकार के साथ हैं और बाहर निकलते ही पाकिस्तान को क्लीन चिट दी जाती है।

सिद्धार्थ विहार प्रतीक ग्रांड सोसायटी में बवाल, करोड़ों की संपत्ति जलमग्न, बिल्डर के खिलाफ मुकदमा

एजेंसी

नई दिल्ली। सिद्धार्थ विहार स्थित प्रतीक ग्रांड सोसायटी में जारी निर्माण कार्य में बिल्डर्स की लापरवाही उजागर हुई है। इस लापरवाही से सोसायटी में रहने वाले करीब दो हजार लोगों की करोड़ों की संपत्ति बेसमेंट में भरे गंदे पानी में जलमग्न हो गई। नगरायुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक और महापौर सुनीता दयाल के निर्देश पर आवास विकास परिषद के अवर अभियंता योगेंद्र कुमार गुप्ता ने प्रतीक ग्रांड सोसायटी के बिल्डर प्रशांत तिवारी और कुछ अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। एसीपी कविनगर रितेश त्रिपाठी ने बताया कि शनिवार को प्रतीक ग्रांड सोसाइटी के बेसमेंट में निर्माण कार्य चल रहा था। गड्ढा खोदने के दौरान गंगाजल प्लांट की दीवार ढह गई और नाले की दीवार क्षतिग्रस्त होने से सोसाइटी के बेसमेंट में नाले का गंदा पानी भर गया। बेसमेंट में तीन दर्जन से अधिक कार, बाइक व

अन्य वाहन खड़े थे। बेसमेंट में गंदा पानी भरने से सोसायटी में रहने वाले लोगों की करोड़ों की संपत्ति जलमग्न हो गई। इस मामले में विजयनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। अवर अभियंता का आरोप है कि बिल्डर प्रशांत तिवारी की लापरवाही की वजह से नाले की दीवार टूटी और बेसमेंट में पानी भरने से काफी नुकसान हुआ है।

इसके साथ ही प्रतीक बिल्डर्स के टावरों के बेसमेंट में गंदा पानी भर गया। बेसमेंट में भरे पानी से सोसायटी के लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। एसीपी ने बताया कि योगेंद्र कुमार गुप्ता की तहरीर पर बीएनएस के अंतर्गत सरकारी कार्य में बाधा की धारा 290, संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की धारा 324(4) और लापरवाही से जीवन को खतरे में डालने की धारा 125 में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच कर बिल्डर के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

2029 तक 17 अरब डॉलर का होगा स्क्रीन एंटरटेनमेंट बाजार

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में स्क्रीन मनोरंजन बाजार 2029 तक 17 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। यह डिजिटल प्लेटफार्मों से संचालित और टेलीविजन और फिल्मों द्वारा समर्थित होगा। मीडिया पार्टनर्स एशिया (एमपीए), आईपी हाउस और भारतीय उद्योग परिसंघ यानी सीआईआई की संयुक्त रिपोर्ट के अनुसार, ऑनलाइन वीडियो 8.6 अरब डॉलर का योगदान देगा, जो 2029 तक सबसे बड़ा राजस्व सेगमेंट बन जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि टेलीविजन सेगमेंट के राजस्व में गिरावट आएगी फिर भी 6.8 अरब डॉलर के साथ यह दूसरा सबसे बड़ा सेगमेंट बना रहेगा। रिपोर्ट के अनुसार, फिल्में 1.9 अरब डॉलर की कमाई करने के लिए तैयार हैं, जो हाइब्रिड रिलीज रणनीतियों और मल्टीप्लेक्स पुनरुद्धार के माध्यम से लगातार बढ़ रही हैं। तीनों प्रारूप एक साथ मिलकर पारंपरिक से डिजिटल की ओर बदल रहे हैं जबकि ये हाइब्रिड, मल्टी-स्क्रीन भविष्य में भी अस्तित्व में रहेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, 2029 तक भारत की स्क्रीन अर्थव्यवस्था की कमाई में प्रत्येक दो डॉलर में से एक डॉलर ऑनलाइन वीडियो से आएगा। यह टेलीविजन से आगे निकल जाएगा और यह देश में कहानियों को देखने के तरीके को पुनः परिभाषित करेगा। रिपोर्ट का अनुमान है कि 2029 तक कुल सामग्री निवेश 7.5 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। ऑनलाइन वीडियो पर होने वाला खर्च पहली बार टेलीविजन के बराबर होगा।

आधिकारिक रिकॉर्ड से हटेंगे 3300+ कंपनियों के नाम; एक साल में भी कारोबार शुरू नहीं, अब दिया आवेदन

नई दिल्ली। कॉरपोरेट मामलों का मंत्रालय 3,300 से अधिक कंपनियों के नाम आधिकारिक रिकॉर्ड से हटा देगा। मंत्रालय के पास उपलब्ध ताजे आंकड़ों के अनुसार, विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज (आरओसी) ने कंपनी अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार अप्रैल में इन कंपनियों के नाम हटाने के संबंध में सार्वजनिक नोटिस जारी किए। उपरोक्त 3,300 कंपनियों में से महाराष्ट्र में 700 से अधिक, दिल्ली में लगभग 500, कर्नाटक में 350 से अधिक, गुजरात, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में 200-200 से अधिक कंपनियां हैं। कंपनी रजिस्ट्रार को कंपनी अधिनियम की धारा 248(2) के तहत कुछ आधारों पर कंपनियों से आवेदन मिले थे। इनमें यह भी शामिल था कि वे अपनी स्थापना के एक वर्ष के भीतर कारोबार शुरू करने में विफल रहीं या उन्होंने दो वित्त वर्षों की अवधि के दौरान कोई कारोबार नहीं किया। इस वर्ष मार्च के अंत तक देश में कुल 28.52 लाख पंजीकृत कंपनियों में से 18.51 लाख सक्रिय कंपनियां थीं। धारा 248(2) के तहत, कोई कंपनी अपनी सभी देनदारियों को समाप्त करने के बाद विशेष प्रस्ताव या 75 प्रतिशत सदस्यों की चुकता शेयर पूंजी की सहमति से कुछ शर्तों के अधीन नाम हटाने के लिए आवेदन कर सकती है।

भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते पर वार्ता में लग सकता है और समय, अभी भी अनसुलझे हैं कुछ मुद्दे

नई दिल्ली। भारत और ब्रिटेन के बीच प्रस्तावित एफटीए सहित तीन समझौतों पर वार्ता पूरी होने में कुछ और समय लग सकता है। दोनों पक्षों को अभी कुछ लंबित मुद्दों को सुलझाना है। चार या पांच मुद्दे हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। जिन तीन समझौतों पर बातचीत चल रही है, उनमें मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए), द्विपक्षीय निवेश समझौता (बीआईटी) और सामाजिक सुरक्षा समझौता शामिल हैं। पिछले हफ्ते लंदन में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ब्रिटेन के व्यापार एवं वाणिज्य मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स के साथ बैठक की थी। बैठक के दौरान वार्ता की प्रगति की समीक्षा की गई थी। एक सूत्र ने बताया कि कुछ महत्वपूर्ण मुद्दे अभी भी बने हुए हैं। कुछ और बैठकें होंगी। जिन मुद्दों पर कुछ और चर्चा की आवश्यकता हो सकती है, उनमें बीआईटी में सनसेट क्लॉज, ब्रिटेन का नया कार्बन कर और डाटा स्थानीयकरण शामिल हैं। दोनों पक्ष 29 अप्रैल को लंदन में इन वार्ताओं के समापन की घोषणा करने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन अंतिम समय में मतभेद उभर आए। गोयल ने 29 अप्रैल को लंदन की अपनी दो दिवसीय यात्रा पूरी की। इसके बाद उन्होंने दो मई को ओस्लो (नॉर्वे) और ब्रसेल्स का दौरा किया। केंद्रीय मंत्री राष्ट्रीय राजधानी पहुंच रहे हैं।

केवाईसी सिस्टम को केंद्रीकृत किया जा रहा, सेबी अध्यक्ष बोले- वित्त मंत्रालय कर रहा इस काम में मदद

नई दिल्ली। बाजार नियामक संस्था सेबी, केंद्रीय वित्त मंत्रालय और अन्य बाजार नियामकों के साथ मिलकर केवाईसी सिस्टम को केंद्रीकृत करने की दिशा में काम कर रहा है। सेबी अध्यक्ष तुहिन कांत पांडे ने यह जानकारी दी। केंद्रीय KYC एक ऑनलाइन डेटाबेस है जो ग्राहकों के केवाईसी रिकॉर्ड को केंद्रीकृत तरीके से रखता है, जिसका उद्देश्य वित्तीय संस्थानों में अनुपालन को आसान करना है। सेबी अध्यक्ष ने बताया कि केंद्रीकृत केवाईसी सिस्टम बनाने के लिए काम कर रही समिति की अध्यक्षता वित्त सचिव कर रहे हैं और प्रक्रिया को तेज करने की कोशिश हो रही है। हालांकि उन्होंने इसकी कोई समयसीमा तय नहीं की, लेकिन कहा कि ये जल्द हो जाना चाहिए। उन्होंने केंद्रीकृत केवाईसी सिस्टम की खूबी बताते हुए कहा कि यह व्यवस्था बहुत प्रभावी रहेगी, जहां एक जगह केवाईसी होगी और वो सभी जगह अपने आप हो जाएगी।

परिवर्तित-जीनोम वाली चावल की किस्में विकसित करने वाला भारत बना पहला देश

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जीनोम में परिवर्तन कर तैयार चावल की दो किस्मों के विकास की घोषणा की। यह उपलब्धि हासिल करने वाला भारत दुनिया का पहला देश बन गया। यह वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में एक नई शुरुआत है। इन नई फसलों के विकास से न केवल उत्पादन बढ़ेगा बल्कि पर्यावरण के लिहाज से भी सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। इससे सिंचाई के पानी की बचत होगी और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी आएगी, जिससे पर्यावरण पर दबाव कम होगा। यहां एक कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, विकसित राष्ट्र के लिए भारत का सपना साकार हो रहा है और किसान समृद्धि की ओर बढ़ रहे हैं। आज की उपलब्धि स्वर्ण अक्षरों में लिखी जाएगी। मंत्री ने कहा, आजादी का अमृत

महोत्सव' के दौरान, पीएम मोदी ने किसानों से कृषि चुनौतियों से निपटने के लिए आधुनिक तकनीक अपनाने का आह्वान किया था। उनके शब्दों से प्रेरित होकर, आईसीएआर (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद) के वैज्ञानिकों ने इन नई किस्मों के निर्माण के साथ कृषि के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धियां हासिल की हैं।÷ चौहान ने इस बात पर जोर दिया कि आने वाले समय में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, पौष्टिक उत्पादन बढ़ाने और भारत तथा दुनिया दोनों के लिए भोजन उपलब्ध कराने की जरूरत है। साथ ही भारत को दुनिया की खाद्य टोकरी बनाने की भी जरूरत है। उन्होंने कहा, हमें गर्व है कि हमारे प्रयासों से सालाना 48,000 करोड़ रुपए के बासमती चावल का निर्यात हुआ है। मंत्री ने सोयाबीन, अरहर, तुअर, मसूर, उड़द, तिलहन और दलहन के उत्पादन को बढ़ाने के लिए और कदम उठाने की जरूरत पर भी जोर दिया।

चौहान ने माइनस 5 और प्लस 10 फॉर्मूला भी पेश किया, जिसमें बताया गया कि इसमें चावल की खेती के क्षेत्र को पांच मिलियन हेक्टेयर कम करने के बावजूद चावल का उत्पादन 10 मिलियन टन बढ़ाना शामिल है। इससे दलहन और तिलहन की खेती के लिए जगह खाली हो जाएगी। उन्होंने किसानों, खासकर युवा किसानों से उन्नत खेती तकनीक अपनाने का आग्रह किया। चौहान ने कहा, हमें कृषि अनुसंधान को किसानों तक ले जाने की जरूरत है। जब कृषि वैज्ञानिक और किसान मिलकर काम करेंगे, तो चमत्कार होगा।

तीन करोड़ किराना दुकानों को खतरे में डाल रहे 'डार्क स्टोर', अब सड़कों पर उतरेंगे नौ करोड़

एजेंसी

मुंबई। व्यापारी कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट), जो देशभर के 9 करोड़ से अधिक छोटे व्यापारियों का प्रतिनिधित्व करता है, ने 16 से 18 मई 2025 तक नई दिल्ली और उत्तर प्रदेश के वृंदावन में एक निर्णायक तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने की घोषणा की है। इसका मकसद विदेशी निवेश वाली ई-कॉमर्स और क्विक कॉमर्स कंपनियां, जैसे अमेजन, फ्लिपकार्ट, ब्लिंकिट, स्विगी, इंस्टामार्ट, जेप्टो और अन्य इसी तरह की प्रमुख कॉमर्स कंपनियों की कथित अनैतिक व अवैध प्रथाओं के खिलाफ राष्ट्रव्यापी आंदोलन की रणनीति बनाना और उसे सक्रिय करना है। कैट का कहना है कि ये कंपनियां, एफडीआई का दुरुपयोग कर रही हैं तो वहीं नियामक उल्लंघन करने से भी पीछे नहीं हट रही हैं। इन कंपनियों की 'डार्क स्टोर्स' जैसी नीतियां, देशभर में 3 करोड़ से अधिक किराना दुकानों की आजीविका खतरे में डाल रही हैं। इसके चलते देशभर के 9 करोड़ व्यापारी सड़कों पर उतरने की योजना बना रहे हैं। यह विरोध सभी राज्यों में किया जाएगा। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया ने कहा, इस सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों से 100 से अधिक शीर्ष व्यापारिक नेता भाग लेंगे। उन्होंने ई कॉमर्स कंपनियों पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। कैट का आरोप है कि इन कंपनियों ने विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) का उपयोग बुनियादी ढांचे के विकास के बजाए घाटे की भरपाई और चुनिंदा विक्रेताओं के माध्यम से गहरी छूट देने के लिए किया है, जो एफडीआई मानदंडों का उल्लंघन है। ये प्लेटफॉर्म 'प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002' का उल्लंघन करते हुए विशेष समझौतों में प्रवेश कर रहे हैं।

सोने के भाव में तेजी, चांदी की घटी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। पिछले कुछ दिन से लगातार गिरावट का सामना करने के बाद आज घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में तेजी का रुख नजर आ रहा है। दूसरी ओर, चांदी की कीमत में आज 1,000 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट दर्ज की गई है। सर्राफा बाजारों में सोना आज 200 रुपये से लेकर 220 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 95,730 रुपये से लेकर 95,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 87,750 रुपये से लेकर 87,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में आज गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 97,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 95,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 87,900 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 95,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 95,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 87,800 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 95,730 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 87,750 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 95,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में

24 कैरेट सोना आज 95,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 87,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 95,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 87,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 95,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

कोलकाता के श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट ने रचा इतिहास, अप्रैल में देश का सबसे तेज़ी से बढ़ता बंदरगाह बना

एजेंसी

कोलकाता। श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट (एसएमपी), कोलकाता ने अप्रैल 2025 में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए देश का सबसे तेज़ी से बढ़ने वाला प्रमुख बंदरगाह बनने का गौरव हासिल किया है। अप्रैल महीने में एसएमपी ने 45.32 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज करते हुए 5.967 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) कार्गो का संचालन किया, जबकि अप्रैल 2024 में यह आंकड़ा 4.106 एमएमटी था। यह उपलब्धि ऐसे समय में हासिल हुई है जब वैश्विक स्तर पर आर्थिक मंदी और समुद्री व्यापार में बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। इस उल्लेखनीय प्रदर्शन के बाद एसएमपी कोलकाता ने देश के अन्य प्रमुख बंदरगाहों को पीछे छोड़ दिया है। एसएमपी के अध्यक्ष रथेंद्र रमन ने इस उपलब्धि के लिए अपनी टीम की प्रतिबद्धता और मेहनत को श्रेय दिया। उन्होंने कहा, यह सफलता हमारे एसएमपी परिवार की अटूट प्रतिबद्धता और दक्षता का परिणाम है। मैं बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्रालय का आभार व्यक्त करता हूं, जिनके मार्गदर्शन और

सहयोग ने इस वृद्धि को संभव बनाया। मैं सभी हितधारकों, पोर्ट यूजर्स और अपनी पूरी टीम का हृदय से धन्यवाद करता हूं। एसएमपी कोलकाता के अंतर्गत दो डॉक सिस्टम हैं - हल्दिया डॉक कॉम्प्लेक्स (एचडीसी) और कोलकाता डॉक सिस्टम (केडीएस)। अप्रैल 2025 में एचडीसी ने 4.363 एमएमटी कार्गो का संचालन किया, जो अप्रैल 2024 में 2.993 एमएमटी था। यह 45.77 प्रतिशत की वृद्धि है। वहीं केडीएस ने अप्रैल 2025 में 1.604 एमएमटी कार्गो संभाला, जबकि अप्रैल 2024 में यह आंकड़ा 1.113 एमएमटी था, जो करीब 44.12 प्रतिशत की वृद्धि है। कार्गो हैंडलिंग में यह उछाल विभिन्न वस्तुओं के तेज़ी से बढ़ते संचालन के कारण हुआ। अप्रैल 2025 में एसएमपी कोलकाता ने कुल 75,716 टीईयू (ट्वेंटी फुट इक्विवेलेंट यूनिट्स) कंटेनर हैंडल किए, जिनमें से 62,021 टीईयू केडीएस और 13,695 टीईयू एचडीसी में संभाले गए।

निर्मला सीतारमण करेंगी एडीबी की वार्षिक बैठक में भारत का नेतृत्व

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की 58वीं वार्षिक बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। यह बैठक 4 से 7 मई तक इटली के मिलान शहर में आयोजित की जा रही है। निर्मला सीतारमण इस बैठक में वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के अधिकारियों के भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगी। इसमें एडीबी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, सदस्य देशों के प्रतिनिधिमंडल और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों के अधिकारी भाग लेंगे वित्त मंत्री बैठक के मुख्य सत्रों में हिस्सा लेंगी। वे गवर्नर्स के बिजनेस सेशन और

गवर्नर्स प्लेनरी सेशन में भाग लेंगी। इसके अलावा वे भविष्य के लचीलेपन के लिए सीमा पार सहयोग विषय पर गवर्नर्स सेमिनार में पैनलिस्ट के रूप में शामिल होंगी। बैठक के दौरान निर्मला सीतारमण एडीबी के अध्यक्ष से द्विपक्षीय बातचीत करेंगी। वे आईएफएडी के अध्यक्ष और जेबीआईसी के गवर्नर से भी मुलाकात करेंगी। इसके अलावा वे इटली, जापान और भूटान के वित्त मंत्रियों के साथ भी बैठक करेंगी। मिलान प्रवास के दौरान वे भारतीय समुदाय से संवाद करेंगी। वे वैश्विक थिंक-टैंकों, व्यापारिक नेताओं और प्रमुख सीईओ से भी मुलाकात करेंगी। वित्त मंत्री बोकोनी विश्वविद्यालय में आर्थिक और जलवायु लचीलेपन में संतुलन विषय पर आयोजित नेक्स्ट मिलान फोरम के पूर्ण सत्र में भी भाग लेंगी। इस दौरे से भारत की वैश्विक आर्थिक भागीदारी को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

भारत की उदार नीति फार्मा, वाहन व पर्यटन बना वैश्विक निवेशकों का पसंदीदा गंतव्य; एफडीआई से खुले नए

एजेंसी

नयी दिल्ली। अवसर डेलॉय के अनुसार, भारत ने बीमा, बीमा मध्यस्थ, पर्यटन निर्माण, अस्पताल और चिकित्सा उपकरण जैसे प्रमुख क्षेत्रों सहित अधिकांश क्षेत्रों में स्वतः मंजूर मार्ग के तहत 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति देकर महत्वपूर्ण प्रगति की है। यह कदम स्थिरता का संकेत देता है, जो वैश्विक निवेशकों को भारत की विशाल और बढ़ती अर्थव्यवस्था में उतरने के लिए एक बेहतर अवसर प्रदान करता है। 70 अरब डॉलर की राष्ट्रीय मौद्रीकरण पाइपलाइन और 100 से अधिक शहरों में औद्योगिक गलियारे के विकास के समर्थन से भारत वैश्विक निवेशकों को निवेश के लिए तैयार क्षेत्र प्रदान कर रहा है। पर्यटन (जीडीपी में 199.6 अरब डॉलर से अधिक का योगदान) और आतिथ्य जैसे क्षेत्र अब होटल और मनोरंजन सुविधाओं के निर्माण में 100 प्रतिशत एफडीआई की मंजूरी देते हैं। इससे पारदर्शी और स्थिर निवेश स्थल के रूप में भारत की छवि और मजबूत होती है। रिपोर्ट के अनुसार, बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने और एफडीआई उदारीकरण से लॉजिस्टिक्स, रियल एस्टेट और शहरी विकास में अभूतपूर्व अवसर पैदा हो रहे हैं। कुल मिलाकर, पिछले वित्त वर्ष में अप्रैल-दिसंबर के दौरान देश में एफडीआई 27 प्रतिशत बढ़कर 40.67 अरब डॉलर हो गया।2023-24 की समान अवधि में यह 32 अरब डॉलर था। इसके अलावा, भारत कई देशों के साथ व्यापार समझौतों के माध्यम से वैश्विक वाणिज्य में अपनी भूमिका को मजबूत कर रहा है।

साप्ताहिक शेयर समीक्षा: लगातार तीसरे सप्ताह मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा शेयर बाजार

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार पिछले सप्ताह के दौरान लगातार उतार-चढ़ाव का सामना करने के बावजूद साप्ताहिक आधार पर मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। ये लगातार तीसरा सप्ताह है, जब शेयर बाजार मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा है। माना जा रहा है कि ग्लोबल मार्केट में बने पॉजिटिव सेंटीमेंट्स, टैरिफ वॉर में नरमी आने के संकेत, रिकॉर्ड जीएसटी कलेक्शन, कंपनियों के मिले-जुले नतीजे और विदेशी निवेशकों द्वारा लगातार की जा रही खरीदारी के कारण घरेलू शेयर बाजार साप्ताहिक आधार पर करीब 1 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। 2 मई यानी खत्म हुए कारोबारी सप्ताह में बीएसई का सेंसेक्स साप्ताहिक आधार पर 1,289.46 अंक यानी 1.62 प्रतिशत की मजबूती के साथ 80,501.99 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई के निफ्टी ने साप्ताहिक आधार पर 307.35 अंक यानी 1.2 प्रतिशत उछल कर 24,346.70 अंक के स्तर पर पिछले सप्ताह के कारोबार का अंत किया। मासिक आधार पर देखा जाए तो सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने लगभग 3.5 प्रतिशत की बढ़त हासिल की। 28 अप्रैल से 2 मई तक के कारोबारी सप्ताह के दौरान बीएसई का लार्जकैप इंडेक्स करीब 1 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। इस इंडेक्स में शामिल हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, मारुति सुजुकी इंडिया और डीएलएफ के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर श्रीराम फाइनेंस, जेएसडब्ल्यू स्टील, अडाणी पावर, श्रीसीमेंट्स, एवेन्यू सुपरमार्ट्स, स्विगी, बजाज फिनसर्व, मैनकाइंड फार्मा, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंडस टावर्स और वारी एनर्जीज के शेयर लार्ज कैप इंडेक्स के टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स पिछले सप्ताह के कारोबार के बाद 0.4 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स, ट्यूब इन्वेस्टमेंट्स ऑफ इंडिया, विशाल मेगा मार्ट, स्कैफ्लर इंडिया, इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड, सोना बीएलडब्लू प्रेसीजन फोर्जिंग्स और प्रेस्टीज एस्टेट प्रोजेक्ट्स टॉप गेनर की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर फिनिक्स मिल्स, टाटा टेक्नोलॉजीज, पतंजलि फूड्स, स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस कंपनी, थर्मैक्स और वन 97 कम्युनिकेशंस (पेटीएम) मिड कैप इंडेक्स के टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। लार्जकैप और मिडकैप के विपरीत बीएसई के स्मॉलकैप इंडेक्स ने पिछले सप्ताह के कारोबार के बाद 1.3 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार का अंत किया। इस इंडेक्स में शामिल पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज, गो फैशन इंडिया, स्पोर्ट किंग इंडिया, प्राइम फोकस, सोनाटा सॉफ्टवेयर, बार्बेक्यू नेशन हॉस्पिटैलिटी, गार्डनरिच शिपबिल्डर्स एंड इंजिनियर्स, क्रिस्टल इंटीग्रेटेड सर्विसेज और जायसवाल निको इंडस्ट्रीज के शेयरों में 15 से 29 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई।

'बर्बाद होने जा रही मुद्रा पर कभी दांव नहीं लगाऊंगा', वॉरेन बफेट की डॉलर पर चेतावनी

एजेंसी

वाशिंगटन। बर्कशायर हैथवे के चेयरमैन और सीईओ वॉरेन बफेट ने डॉलर को लेकर चेतावनी दी। बफेट ने कहा कि मैं कभी भी ऐसी मुद्रा पर दांव नहीं लगाऊंगा जिसके बर्बाद होने का खतरा हो। वार्षिक शेयरधारक बैठक में बफेट ने वैश्विक मामलों और व्यापार को लेकर शेयरधारकों और निवेशकों से बात की। इस बैठक में उन्होंने अपनी सेवानिवृत्ति की भी घोषणा की। वॉरेन ने कहा कि मैं ऐसी मुद्रा पर कभी दांव नहीं लगाऊंगा, जिसके बर्बाद होने का खतरा हो। मौजूदा स्थितियों को देखते हुए वॉरेन का मानना है कि आने वाले वक्त में डॉलर बर्बाद हो जाएगा। उन्होंने कहा कि संतुलित व्यापार पूरे विश्व के लिए अच्छा है। व्यापार जितना संतुलित होगा, उतना ही बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि व्यापार को कभी हथियार नहीं बनाया जाना चाहिए। व्यापार युद्ध का एक कार्य हो सकता है। लेकिन अमेरिका में इसे लेकर जो रवैया पैदा हुआ है, उसे देखने की जरूरत है। वॉरेन बफेट ने कहा कि हम एक समृद्ध विश्व चाहते हैं। आठ देशों के पास परमाणु हथियार हैं, जिनमें से कुछ काफी अस्थिर हैं, मुझे नहीं लगता कि ऐसी दुनिया की रचना करना एक अच्छा है, जहां कुछ देश कहें कि हम जीत गए। विश्व जितना अधिक समृद्ध होगा, यह हमारी कीमत पर नहीं होगा। हम उतने ही अधिक समृद्ध होंगे और उतना ही अधिक सुरक्षित महसूस करेंगे।बफेट ने कहा कि अमेरिका में पूंजीवाद ने ऐसी सफलता हासिल की है जैसी हमने पहले कभी नहीं देखी होगी। हम अनसुलझी समस्याओं को सुलझाने का प्रयास नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दूसरों के पैसे से बेवकूफी भरी चीजें करना अपने पैसे से करने से कहीं ज्यादा आसान है। यह सरकार की भी समस्याएं हैं। हम इसे निजी उद्यम के पास नहीं लाना चाहते। उन्होंने कहा कि मुझे यह कहते हुए शर्म आ रही है कि टिम कुक ने बर्कशायर को उससे कहीं अधिक धन कमाया है जितना मैंने बर्कशायर हैथवे को कमाया है। हम बड़ी मंदी से गुजरे हैं, हम विश्व युद्धों से गुजरे हैं, हम परमाणु बम के विकास से गुजरे हैं, जिसके बारे में हमने मेरे जन्म के समय कभी सपने में भी नहीं सोचा था, इसलिए मैं इस तथ्य से निराश नहीं हूं कि ऐसा नहीं लगता कि हमने सभी समस्याओं का समाधान कर लिया है।

'चीन से सामान आयात कर यूएस भेजा तो देना पड़ेगा भारी टैक्स'

एजेंसी

नई दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय ने भारतीय निर्यातकों को सख्त चेतावनी दी है कि अमेरिका को माल भेजते वक्त वहां के रूल्स ऑफ ओरिजिन (उत्पत्ति के नियम) का पूरी तरह पालन करें। मंत्रालय ने कहा कि अगर चीन जैसे उच्च-शुल्क

वाले देशों से उत्पाद खरीदकर पर्याप्त मूल्य संवर्धन के बगैर भारत से अमेरिका भेजा गया, तो इसे ट्रांसशिपमेंट माना जाएगा। ट्रांसशिपमेंट एक देश से उत्पादों को खुद के देश में आयात करने और फिर इसे आमतौर पर बगैर खास बदलाव या मूल्य संवर्धन (उत्पाद की कीमत बढ़ाने) के दूसरे देश में निर्यात करने की प्रक्रिया है। मंत्रालय का कहना है कि यह अमेरिका के उत्पत्ति के नियमों के खिलाफ है। इससे भारतीय निर्यातकों को नुकसान हो सकता है और उन पर भारी टैक्स या प्रतिबंध लग सकते हैं। मंत्रालय के एक अधिकारी के मुताबिक, इस मामले में मंत्रालय उद्योगों के साथ मिलकर काम करेगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भारतीय निर्यातकों को कोई नुकसान न हो।

टॉप 10 में शामिल 7 कंपनियों के मार्केट कैप में 2.31 लाख करोड़ की वृद्धि

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 7 कंपनियों के मार्केट कैप में 2.31 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। इनमें सबसे अधिक फायदा रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। दूसरी ओर, टॉप 10 में शामिल 3 कंपनियों के मार्केट कैप में 18,740.33 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। इनमें बजाज फाइनेंस को सबसे ज्यादा नुकसान का सामना करना पड़ा। इस सप्ताह के कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), इंफोसिस और आईटीसी के मार्केट कैप में 2,31,177.30 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। दूसरी ओर, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस और हिन्दुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 18 हजार करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आ गई। 28 अप्रैल से 2 मई के बीच हुए कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 1,64,959.62 करोड़ रुपये बढ़ कर 19,24,235.76 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह भारती एयरटेल का मार्केट कैप 20,755.67 करोड़ रुपये उछल कर 10,56,029.91 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 19,381.9 करोड़ रुपये बढ़ कर के 10,20,200.69 करोड़ रुपये के स्तर पर, एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 11,514.78 करोड़ रुपये की उछाल के साथ 14,73,356.95 करोड़ रुपये के स्तर पर, इंफोसिस का मार्केट कैप 10,902.31 करोड़ रुपये उछल कर 6,25,668.37 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईटीसी का मार्केट कैप 2,502.82 करोड़ रुपये की बढ़त के साथ 5,38,294.86 करोड़ रुपये के स्तर पर और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 1,160.20 करोड़ रुपये बढ़ कर 7,14,014.23 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। दूसरी ओर, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 15,470.50 करोड़ रुपये कम होकर 5,50,726.80 करोड़ रुपये के स्तर पर और आ गया। इसी तरह हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 1,985.41 करोड़ रुपये घट कर 5,45,845.29 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 1,284.42 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 12,45,996.98 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 19,24,235.76 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 14,73,356.95 करोड़ रुपये), टीसीएस (कुल मार्केट कैप 12,45,996.98 करोड़ रुपये), भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 10,56,029.91 करोड़ रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 10,20,200.69 करोड़ रुपये), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 7,14,014.23 करोड़ रुपये), इंफोसिस (कुल मार्केट कैप 6,25,668.37 करोड़ रुपये), बजाज फाइनेंस (कुल मार्केट कैप 5,50,726.80 करोड़ रुपये) हिंदुस्तान यूनिलीवर (कुल मार्केट कैप 5,45,845.29 करोड़ रुपये) और आईटीसी (कुल मार्केट कैप 5,38,294.86 करोड़ रुपये) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों के लिस्ट में दूसरे से दसवें स्थान पर बने रहे।

शुभमन नहीं, इस एक्टर को डेट कर रहीं

सारा तेंदुलकर

अमिताभ बच्चन की नातिन से कनेक्शन!

सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर खूब चर्चा में रहती हैं. कभी बॉलीवुड वाले दोस्तों के साथ पार्टी, तो कभी क्रिकेटर शुभमन गिल के साथ डेटिंग और बेक्रअप की खबरें. हालांकि, सारा तेंदुलकर किसी भी खबर पर कभी रिएक्शन नहीं देतीं. कुछ वक्त पहले खबर आई कि शुभमन गिल से उनका ब्रेकअप हो गया है. वहीं इसकी वजह टीवी एक्ट्रेस अवनीत कौर को बताया गया. लेकिन एक्ट्रेस तो पहले से ही किसी और को डेट कर रही हैं. खैर, इसी बीच सारा की जिंदगी में नए शख्स की एंट्री हो गई है.जिस बॉलीवुड एक्टर से सारा तेंदुलकर का नाम जुड़ रहा है, वो और कोई नहीं, 'गली बॉय' के एक्टर सिद्धांत चतुर्वेदी हैं. रिपोर्ट के मुताबिक, सिद्धांत चतुर्वेदी और सारा तेंदुलकर इस वक्त एक दूसरे के साथ वक्त बिता रहे हैं. साथ ही दोनों को एक दूसरे के करीब आते हुए भी देखा गया है.

क्या सिद्धांत को डेट कर रहीं सारा ?

हाल ही में फिल्मफेयर पर एक रिपोर्ट छपी. इसके मुताबिक, सारा और सिद्धांत चतुर्वेदी की दोस्ती फिलहाल शुरुआती स्टेज पर है. हालांकि, दोनों ही नहीं चाहते की उनके रिश्ते के बारे में किसी को भी कुछ पता लगे. यूं तो सिद्धांत चतुर्वेदी

पहले भी अपनी लव लाइफ को लेकर चर्चा में रह चुके हैं. उनका नाम अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नवेली नंदा से जुड़ा था. सिद्धांत उनकी तस्वीरों पर कमेंट भी करते थे. लेकिन फिर एक दिन अचानक एक दूसरे को अनफॉलो कर दिया. हालांकि, दोनों साथ वक्त बिताते हुए भी दिख चुके हैं.सिद्धांत चतुर्वेदी अपने करियर में 5 फिल्मों में काम कर चुके हैं. हालांकि, उन्हें असली फेम दीपिका पादुकोण की पिक्चर 'गहराइयां' से मिला था. दोनों के बीच काफी रोमांटिक सीन्स थे. हालांकि, बात सारा तेंदुलकर की हो तो उनका नाम भी क्रिकेटर शुभमन गिल के साथ सालों से जुड़ रहा है. दोनों साथ दिख चुके हैं, यहां तक कि शुभमन ने सारा से दोस्ती की बात को कंफर्म भी किया था. लेकिन कुछ दिनों पहले अलग होने की खबर आई.

इंस्टाग्राम पर नहीं करते फॉलो

दरअसल रिपोर्ट्स में सिद्धांत चतुर्वेदी और सारा तेंदुलकर की डेटिंग की अफवाहें हैं. लेकिन इसमें कितनी सच्चाई है कितनी नहीं, हम नहीं जानते. पर सोशल मीडिया की बात की जाए तो दोनों इंस्टाग्राम पर एक दूसरे को फॉलो नहीं करते हैं. हालांकि, सारा तेंदुलकर के कई फिल्म इंडस्ट्री में दोस्त हैं, जिनके साथ पार्टी करती नजर आ चुकी हैं. ओरी के साथ भी वो दिखाई दी हैं. सिद्धांत चतुर्वेदी भी लंबे वक्त से फिल्मों से दूर हैं, लेकिन इस साल उनकी एक पिक्चर आने वाली है.

हमें तुलना की जरूरत नहीं...रणवीर सिंह या रणबीर कपूर में बेहतर कौन? दीपिका पादुकोण ने दिया था ये जवाब

हिंदी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री दीपिका पादुकोण की एक्टिंग बेहद कमाल की है और इसमें किसी को कोई शक नहीं है. लेकिन दीपिका सिर्फ अपने अभिनय को लेकर ही लोगों के बीच चर्चाओं में नहीं रही हैं, बल्कि उन्होंने अपने अफेयर्स से भी खूब सुर्खियां बटोरी हैं.दीपिका पादुकोण ने साल 2018 में रणवीर सिंह से शादी की थी. हालांकि इससे पहले वो रणबीर कपूर के साथ रिश्ते में थीं. रणबीर और दीपिका का अफेयर काफी सुर्खियों में रहा था. लेकिन ब्रेकअप के बाद दीपिका की लाइफ में रणवीर आए और फिर दोनों ने शादी भी कर ली. लेकिन ब्रेकअप के बावजूद दीपिका को रणबीर कपूर के साथ देखा गया है. वहीं एक बार तो दीपिका से ये तक पूछ लिया गया था कि रणवीर और रणबीर दोनों में से बेहतर एक्टर कौन हैं ? आइए जानते हैं तब दीपिका ने क्या जवाब दिया था.

दीपिका से सवाल- रणवीर और रणबीर में से बेहतर एक्टर कौन ?

बात उन दिनों की है जब रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण अपनी साल 2015 में आई फिल्म 'तमाशा' का प्रमोशन कर रहे थे. ये वो दौर था जब दीपिका का रणबीर से ब्रेकअप हो चुका था और वो रणवीर सिंह को डेट कर रही थीं. तमाशा के प्रमोशन के दौरान उनसे सवाल किया गया था रणबीर कपूर और रणवीर सिंह में से वो किसे बेहतर एक्टर मानती हैं ?

दीपिका ने दिया था ऐसा जवाब

दीपिका ने इस सवाल का बेहद समझदारी के साथ जवाब दिया था. उन्होंने किसी भी एक्टर का नाम नहीं लिया था. लेकिन दोनों को ही कम नहीं आंका और न किसी को ज्यादा तवज्जो दी. उन्होंने दोनों को अपनी-अपनी जगह बेहतर कहा था. एक्ट्रेस ने कहा था, यह ऐसा है जैसे आप कह रहे हों कि आपको अपनी मां पसंद है या अपने पिता ?

रणबीर ने कहा- मैं पिता बनना चाहता हूं

दीपिका के इस जवाब के बाद दर्शकों की भीड़ में से किसी ने कहा था मां कौन होगी ? इस पर तुरंत ही मजाकिया अंदाज में रणबीर ने कहा था, मैं पिता बनना चाहता हूं.वहीं दीपिका ने आगे कहा था, मुझे ऐसा लगता है कि हम हर समय लगातार तुलना करते रहते हैंज्चाहे वो फिल्में हों, अभिनेता हों, को-स्टार हो. हमें हर समय तुलना करते रहने की जरूरत नहीं है.

करिश्मा कपूर या रवीना टंडन? अजय देवगन की दोनों एक्स में किसके पास है सबसे ज्यादा पैसा?

बॉलीवुड के पॉपुलर एक्टर अजय देवगन और काजोल की शादी को 26 साल पूरे हो चुके हैं. अजय ने काजोल से साल 1999 में शादी की थी. दोनों का रिश्ता करीब पांच साल के अफेयर के बाद शादी के मंडप तक पहुंचा था. हालांकि काजोल के प्यार में पड़ने से पहले अजय बॉलीवुड की दो दिग्गज हसीनाओं रवीना टंडन और करिश्मा कपूर के प्यार में पागल थे.अजय देवगन का अफेयर कभी रवीना टंडन और करिश्मा कपूर के साथ भी था. उन्होंने दोनों के साथ अफेयर से खूब सुर्खियां बटोरी थीं. लेकिन दोनों एक्ट्रेस के साथ उनका रिश्ता लंबा नहीं टिक पाया. आज हम आपको अजय की इन दोनों एक्स की नेटवर्थ के बारे में बता रहे हैं. आइए जानते हैं कि दोनों में से आखिर कौन सी एक्ट्रेस ज्यादा अमीर हैं ?

करिश्मा कपूर की नेट वर्थ

कपूर खानदान की बेटी करिश्मा कपूर ने सिर्फ 17 साल की उम्र में बॉलीवुड में अभिनय करियर की शुरुआत कर दी थी. रणधीर कपूर और बबीता के घर साल 1974 में जन्मीं करिश्मा के फिल्मी करियर की शुरुआत साल 1991 में हुई थी. उनकी पहली फिल्म थी 'प्रेम कैदी'. 'साजन चले ससुराल', 'राजा हिन्दुस्तानी', 'हम साथ साथ हैं', 'दुल्हन हम ले जाएंगे', जानवर, 'हसीना मान जाएगी', 'बीवी नंबर 1', 'दिल तो पागल है', 'जुड़वा', 'हीरो नंबर 1', 'जीत', 'राजा बाबू', 'जिगर' और 'अनाड़ी' जैसी बेहतरीन फिल्में दे चुकीं करिश्मा अब फिल्मों में कम ही नजर आती हैं. हालांकि इसके बावजूद वो काफी रईस हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक करिश्मा की नेटवर्थ 87 करोड़ रुपये है.

रवीना टंडन की नेट वर्थ

बात अब रवीना की नेटवर्थ की कर लेते हैं. इससे पहले आपको बता दें कि करिश्मा की तरह ही रवीना के फिल्मी करियर की शुरुआत भी साल 1991 में ही हुई थी. उन्होंने फिल्म 'प्रेम कैदी' से डेब्यू किया था जिसमें उनके अपोजिट अहम रोल में सलमान खान नजर आए थे.

रवीना अब भी बॉलीवुड में काम कर रही हैं. अपने 34 साल के करियर में एक्ट्रेस ने 'मोहरा', 'दिलवाले', 'दूल्हे राजा', 'अनाड़ी नंबर वन', 'केजीएफ 2', 'जिद्दी', 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी' जैसी बेहतरीन फिल्में दी है. अपने लंबे और सफल करियर में खूब शोहरत के साथ ही खूब दौलत कमाने वाली रवीना करीब 166 करोड़ रुपये की संपत्ति की मालकिन हैं.

ऐश्वर्या राय

ने ठुकराई थी ऋतिक की ये ब्लॉकबस्टर फिल्म, आज भी पछताती होंगीं एक्ट्रेस

हिंदी सिनेमा की मशहूर और खूबसूरत एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय ने अपने 25 साल से ज्यादा के करियर में कई फिल्मों के जरिए फैंस का दिल जीता है. कई बड़े स्टार्स के साथ स्क्रीन शेयर करने वाली ऐश्वर्या बड़े पर्दे पर सुपरस्टार ऋतिक रोशन के साथ भी नजर आ चुकीं हैं. लेकिन वो ऋतिक की एक फिल्म को ठुकरा भी चुकीं हैं जो बाद में बहुत बड़ी ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी.ऋतिक रोशन की इस फिल्म का बजट महज 10 करोड़ रुपये था और ये पिक्चर 25 साल पहले रिलीज हुई थी. इसने बॉक्स ऑफिस पर बजट से करीब आठ गुना ज्यादा की कमाई की थी. आइए जानते हैं कि आखिर ऋतिक की वो फिल्म कौन सी है जिसमें काम करने में ऐश्वर्या राय ने दिलचस्पी नहीं दिखाई थी.

ऐश्वर्या ने रिजेक्ट की थी 'कहो ना प्यार है'

ऐश्वर्या राय, ऋतिक रोशन की पहली हीरोइन हो सकती थीं, लेकिन उन्होंने अभिनेता की डेब्यू फिल्म 'कहो ना प्यार है' को रिजेक्ट कर दिया था. साल 2000 में आई इस पिक्चर से ऋतिक रोशन ने अपने करियर की शुरुआत की थी. मेकर्स पहले इसमें ऐश्वर्या को लेना चाहते थे, हालांकि उनकी ना के बाद अमीषा पटेल की एंट्री हुई. ऋतिक के साथ ही अमीषा की भी ये पहली पिक्चर थी. दोनों की केमिस्ट्री को दर्शकों ने पसंद किया और दोनों डेब्यू फिल्म से ही स्टार बन गए थे. टिकट खिड़की पर कहो ना प्यार है इतिहास रचते हुए ब्लॉकबस्टर निकली.

10 करोड़ बजट, कमाई 78 करोड़

ऋतिक को उनके पिता और मशहूर डायरेक्टर राकेश रोशन ने बॉलीवुड में लॉन्च किया था. राकेश रोशन के डायरेक्शन में बनी कहो ना प्यार है 14 जनवरी 2000 को रिलीज हुई थी. इसे बनाने में करीब दस करोड़ रुपये खर्च हुए थे. वहीं भारत में इसका कलेक्शन 44 करोड़ रुपये और दुनियाभर में 78 करोड़ रुपये दर्ज किया गया था.

इन फिल्मों में साथ नजर आए ऋतिक-ऐश्वर्या

चाहें ऐश्वर्या राय ने ऋतिक की फिल्म कहो ना प्यार है को रिजेक्ट कर दिया था, लेकिन बाद में ये दोनों स्टार बड़े पर्दे पर साथ दिखाई दिए. दोनों की जोड़ी को दर्शकों ने हर बार पसंद किया है. ऋतिक और ऐश्वर्या ने साथ में 'धूम 2', 'गुजारिश' और 'जोधा अकबर' जैसी फिल्मों में काम किया है.